दैनिक
सनातन वीर
Reg. No. MPHIN/25A3002
राष्ट्रहित, धर्मरक्षा जनसेवा को समर्पित
नगर संस्करण | इंदौर, शनिवार, 16 मई 2026 | वर्ष : 01, अंक : 160, कीमत : 03 रुपए, पृष्ठ : 8

धार भोजशाला पर हाई कोर्ट का बड़ा फैसला

मां वाग्देवी मंदिर स्वरूप माना

2003 का ASI आदेश रद्द, नमाज की अनुमति खत्म; फैसले के बाद जश्न, सुप्रीम कोर्ट में कैविएट दाखिल

सनातन वीर ● इंदौर/धार

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने धार की भोजशाला को वाग्देवी मंदिर माना है। शुक्रवार को दिए फैसले में हाईकोर्ट ने कहा- हमने पुरातात्विक और ऐतिहासिक तथ्यों, एएसआई की सर्वे रिपोर्ट पर विचार किया है। ASI एक्ट के प्रावधानों के साथ-साथ अयोध्या मामले को भी आधार माना। ऐतिहासिक और संरक्षित जगह देवी सरस्वती का मंदिर है। केंद्र सरकार और ASI यह फैसला लें कि भोजशाला मंदिर का मैनेजमेंट कैसा रहेगा। अदालत ने ASI का 2003 का वह आदेश भी रद्द कर दिया, जिसमें ASI ने भोजशाला में हिंदुओं को पूजा का अधिकार नहीं दिया था। उस आदेश को भी खारिज कर दिया, जिसमें मुस्लिमों को नमाज पढ़ने का अधिकार दिया गया था। भोजशाला को कमाल मौला मस्जिद बताते रहे मुस्लिम पक्ष को कोर्ट ने सरकार से मस्जिद के लिए अलग जमीन मांगने को कहा है।

2022 में शुरू हुआ कानूनी विवाद- भोजशाला विवाद का नया कानूनी अध्याय साल 2022 में शुरू हुआ। उस समय रंजना अग्निहोत्री और उनके सहयोगियों ने हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस की ओर से हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिका में भोजशाला का धार्मिक स्वरूप तय करने और हिंदू समाज को वहां पूर्ण पूजा अधिकार देने की मांग की गई थी। इसके बाद 11 मार्च 2024 को हाईकोर्ट ने एएसआई को पूरे परिसर का वैज्ञानिक सर्वेक्षण करने का आदेश दिया। एएसआई ने 22 मार्च 2024 से 98 दिनों तक परिसर का सर्वे किया और 15 जुलाई 2024 को 2000 से अधिक पन्नों की रिपोर्ट अदालत में पेश की।

हाईकोर्ट में चली लंबी सुनवाई- इंदौर हाईकोर्ट की डबल बेंच ने 6 अप्रैल 2026 से इस मामले में नियमित सुनवाई शुरू की। 12 मई 2026 तक चली सुनवाई में हिंदू, मुस्लिम और जैन पक्षों ने अपने-अपने दावे और साक्ष्य अदालत में पेश किए। करीब एक महीने से ज्यादा चली सुनवाई के दौरान अदालत में हजारों दस्तावेज, ऐतिहासिक रिकॉर्ड, पुरातात्विक साक्ष्य और धार्मिक दावे रखे गए। सुनवाई पूरी होने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था।

धार में गूंजे मां वाग्देवी के जयकारे

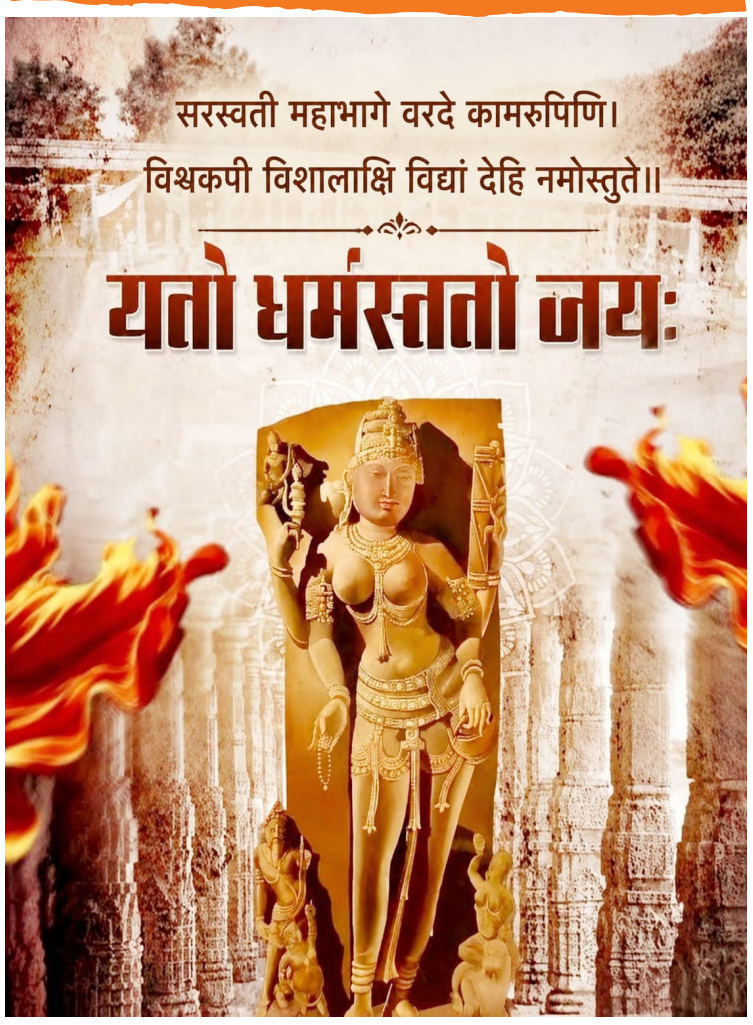

हाईकोर्ट के फैसले का सीएम यादव ने किया स्वागत, बोले-सांस्कृतिक विरासत के सम्मान का क्षण

धार की ऐतिहासिक भोजशाला को लेकर हाईकोर्ट के फैसले का मुख्यमंत्री मोहन यादव ने स्वागत किया है। मुख्यमंत्री ने इसे प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत, आस्था और इतिहास के सम्मान से जुड़ा महत्वपूर्ण फैसला बताया है। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट ने भोजशाला को संरक्षित स्मारक और मां वाग्देवी की आराधना स्थली मानते हुए महत्वपूर्ण निर्णय दिया है। इससे श्रद्धालुओं को पूजा-अर्चना का अधिकार सुनिश्चित होगा और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) के संरक्षण में भोजशाला की गरिमा और मजबूत होगी। सीएम ने कोर्ट के उस निर्देश का भी स्वागत किया है, जिसमें मां वाग्देवी की प्रतिमा को ब्रिटेन (यूके) से वापस भारत लाने के मुद्दे पर केंद्र सरकार से विचार करने को कहा गया है। सीएम ने कहा कि इस दिशा में वह भी आवश्यक प्रयास करेगी।

ओवैसी बोले- फैसले ने पूजा स्थलों को चुनौती देने का रास्ता खोला

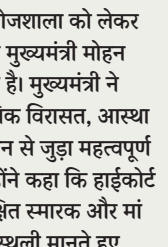

असदुद्दीन ओवैसी ने भोजशाला मामले में हाईकोर्ट के फैसले पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि यह फैसला संवैधानिक मूल्यों के अनुरुप नहीं है। ओवैसी ने कहा कि बाबरी मस्जिद मामले की तरह इस फैसले में भी एक धर्म के पक्ष में निर्णय दिया गया, जबकि दूसरे धर्म के पूजा के अधिकार प्रभावित हुए। उन्होंने कहा कि ऐसे फैसलों से पूजा स्थलों को चुनौती देने का रास्ता खुला है और प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट कमजोर हुआ है।

क्या है भोजशाला का इतिहास

भोजशाला का इतिहास 11वीं शताब्दी से जुड़ा माना जाता है। मान्यता है कि यहां मां सरस्वती का मंदिर और विद्या केंद्र था। बताया जाता है कि 12वीं-13वीं शताब्दी में मंदिर को ध्वस्त कर वहां मकबरा और मस्जिद का निर्माण किया गया। रॉयल एशियाटिक सोसाइटी में प्रकाशित माइकल विलिस के रिसर्च पेपर 'धार, भोज और सरस्वती' के अनुसार "भोजशाला" शब्द का उपयोग पहली बार जर्मन भारतविद एलॉइस एंटोन फ्यूहरर ने 1893 में किया था। बाद में ब्रिटिश अधिकारी के.के. लेले ने भी इस स्थल का उल्लेख किया और यहां मिले संस्कृत शिलालेखों की व्याख्या शुरू करवाई। इसी दौरान यह बात सामने आई कि वर्तमान ढांचे का निर्माण ध्वस्त मंदिर के अवशेषों से किया गया था।

पेपर लीक मामले के बाद केंद्र सरकार का बड़ा फैसला

नीट-परीक्षा अगले साल से कंप्यूटर बेस्ड होगी

नई दिल्ली ● एजेंसी

नीट-यूजी 2026 एग्जाम में पेपर लीक विवाद के बाद केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाते हुए मेडिकल प्रवेश परीक्षा प्रणाली में व्यापक बदलावों का ऐलान किया है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि छात्रों के हितों की रक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और भविष्य में किसी भी तरह की गड़बड़ी रोकने के लिए अगले वर्ष से नीट परीक्षा कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट (सीबीटी) मोड में आयोजित की जाएगी।

शिक्षा मंत्री ने बताया कि इस वर्ष आयोजित परीक्षा में पेपर लीक की पुष्टि होने के बाद सरकार ने निष्पक्षता बनाए रखने के लिए दोबारा परीक्षा कराने का निर्णय लिया है। उन्होंने घोषणा की कि नीट-यूजी 2026 का री-एग्जाम 21 जून को आयोजित होगा। सरकार का मानना है कि इससे मेहनती छात्रों के साथ न्याय सुनिश्चित किया जा सकेगा।

धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि कुछ लोग सोशल मीडिया पर भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन सरकार पूरी पारदर्शिता के साथ कार्रवाई कर रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस बार पेपर लीक माफिया और फर्जी अभ्यर्थियों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। मामले की जांच विभिन्न सरकारी एजेंसियों द्वारा की जा रही है।

सुप्रीम चिंता : कुछ बेरोजगार युवा काकरोच, जो सिर्फ वयवस्था पर आरोप लगाते है

नई दिल्ली ● एजेंसी

भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने शुक्रवार को कुछ बेरोजगार युवाओं पर टिप्पणी करते हुए कहा कि वे 'कॉकरोच' जैसे हैं, जो आगे चलकर मीडिया, सोशल मीडिया और आरटीआई कार्यकर्ता बन जाते हैं। फिर व्यवस्था पर सवाल उठाने लगते हैं।

यह टिप्पणी उस समय आई ,जब मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ एक वकील की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में वकील ने वरिष्ठ वकील का दर्जा पाने की कोशिश कर रहा था। कोर्ट ने इस पर कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि समाज में पहले से ही कुछ ऐसे परजीवी मौजूद हैं, जो व्यवस्था पर लगातार हमला करते हैं।

पीठ ने याचिकाकर्ता वकील से कहा, पूरी दुनिया वरिष्ठ (वकील) बनने के योग्य हो सकती है, लेकिन कम से कम आप तो इसके हकदार नहीं हैं। सीजेई ने स्पष्ट रूप से टिप्पणी की कि अगर दिल्ली हाईकोर्ट याचिकाकर्ता को वरिष्ठ वकील का पदनाम प्रदान करता है, तो सुप्रीम कोर्ट उनके पेशेवर आचरण को देखते हुए इसे रद्द कर देगा। सीजेआई ने फेसबुक पर याचिकाकर्ता की ओर से इस्तेमाल की गई भाषा का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, समाज में पहले से ही ऐसे परजीवी हैं, जो सिस्टम पर हमला करते हैं और आप उनसे हाथ मिलाना चाहते हैं? उन्होंने कहा, कई युवा कॉकरोच की तरह हैं, जिन्हें न तो कोई नौकरी मिलती है और न ही पेशे में कोई जगह। उनमें से कुछ मीडिया में चले जाते हैं। कुछ सोशल मीडिया कार्यकर्ता बन जाते हैं। कुछ आरटीआई कार्यकर्ता और अन्य कार्यकर्ता बन जाते हैं और फिर वे हर किसी पर हमला करने लगते हैं। पीठ ने याचिकाकर्ता से यह भी पूछा कि क्या उसके खिलाफ कोई अन्य मुकदमा नहीं है। पीठ ने पूछा, क्या यह उस व्यक्ति का आचरण है जो वरिष्ठ वकील के रूप में नामित होना चाहता है? कोर्ट ने कहा, वरिष्ठ वकील का पदनाम एक ऐसी चीज है, जो किसी व्यक्ति को प्रदान की जाती है और इसके लिए प्रयास नहीं किया जाना चाहिए।

सरकार ने पेट्रोल के निर्यात पर लगाया 3 रुपये का विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क

नई दिल्ली ● एजेंसी

केंद्र सरकार ने ईंधन के निर्यात को लेकर एक बहुत ही अहम और बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने देश से बाहर भेजे जाने वाले यानी निर्यात होने वाले पेट्रोल पर अप्रत्याशित लाभ कर यानी विंडफॉल टैक्स लगा दिया है। वहीं दूसरी तरफ, डीजल और विमानन टरबाइन ईंधन (एटीएफ) के निर्यात शुल्क में भारी कटौती करके कंपनियों को राहत दी है। यह कड़ा फैसला 16 मई से पूरे देश में लागू कर दिया गया है।

वित्त मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के मुताबिक, अब पेट्रोल के निर्यात पर तीन रुपये प्रति लीटर का विंडफॉल टैक्स देना होगा। हालांकि, सरकार ने डीजल के निर्यात पर लगने वाले शुल्क को 23 रुपये से घटाकर 16.5 रुपये प्रति लीटर और एटीएफ (विमान ईंधन) पर 33 रुपये से घटाकर 16 रुपये प्रति लीटर कर दिया है। सरकार ने यह भी साफ किया है कि पेट्रोल और डीजल के निर्यात पर सड़क और बुनियादी ढांचा उपकर अब शून्य रहेगा। सबसे बड़ी राहत की बात यह है कि देश के अंदर बिकने वाले पेट्रोल और डीजल पर लगने वाले कर में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इसका सीधा मतलब है कि आम जनता के लिए देश में ईंधन के दाम नहीं बढ़ेंगे।

टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी पर FIR दर्ज, शाह पर टिप्पणी और भड़काऊ बयानों के आरोप

नई दिल्ली ● एजेंसी

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के बड़े नेता अभिषेक बनर्जी बड़ी कानूनी मुश्किल में फंस गए हैं। चुनाव प्रचार के दौरान उनके द्वारा दिए गए भड़काऊ और विवादित भाषणों को लेकर पुलिस ने उनके खिलाफ एक प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज कर ली है। यह मामला सीधे तौर पर चुनाव के दौरान माहौल खराब करने और देश के गृह मंत्री को धमकी देने के गंभीर आरोपों से जुड़ा हुआ है। पुलिस ने इस मामले को बहुत गंभीरता से लिया है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान अभिषेक बनर्जी ने कई चुनावी रैलियों को संबोधित किया था। आरोप है कि इन रैलियों में उन्होंने बेहद आक्रामक और भड़काऊ भाषण दिए थे। इसी मामले में उनके खिलाफ विधाननगर साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई है। शिकायत में साफ तौर पर कहा गया है कि उनके भाषणों से समाज

में नफरत फैल सकती थी और सार्वजनिक शांति भंग हो सकती थी। इसके अलावा, उन पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ धमकी भरे शब्द इस्तेमाल करने का भी बहुत गंभीर आरोप लगाया गया है। टीएमसी नेता के खिलाफ यह अहम शिकायत राजीव सरकार नाम के एक सामाजिक कार्यकर्ता ने दर्ज कराई है।

शिकायतकर्ता ने पुलिस को अपनी बात साबित करने के लिए अभिषेक बनर्जी के कई विवादित भाषणों के वीडियो लिंक भी सबूत के तौर पर सौंपे हैं। इन्ही सबूतों के आधार पर पुलिस ने आगे की सख्त कानूनी कार्रवाई शुरू की है।

सुखलिया चौराहे पर फोड़े मटके, संकट का समाधान न होने पर उग्र आंदोलन की अल्टीमेटम

इंदौर में जल संकट को लेकर कांग्रेस का जन आंदोलन

इंदौर ● संवाददाता

जल संकट को लेकर कांग्रेस ने शहर सरकार पर हमला बोला है। कांग्रेस कार्यकर्ता अपने नेताओं के नेतृत्व में सभी जोन कार्यालयों के सामने प्रदर्शन कर मटके फोड़ रहे हैं। जोन-5 में सुखलिया चौराहा पानी की टंकी के पास कांग्रेस पार्षद राजू भदौरिया के नेतृत्व में रहवासियों ने विरोध प्रदर्शन किया।

कार्यकर्ताओं और रहवासियों ने नारेबाजी की और मटके फोड़कर विरोध दर्ज कराया। उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों, विधायक, महापौर और एडिशनल कमिश्नर को चेतावनी दिए कि जल संकट हल नहीं हुआ तो आगे और उग्र आंदोलन किया जाएगा।

आधी आबादी तक नहीं पहुंच रहा नर्मदा का पानी

इंदौर शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे ने आरोप लगाया कि नगर निगम की लापरवाही के कारण शहर गंभीर जल संकट से गुजर रहा है। उन्होंने कहा कि शहर की आधी आबादी तक नर्मदा का पानी नहीं पहुंच पा रहा है और जहां पानी पहुंच रहा है वहां भी पर्याप्त दबाव और समय तक सप्लाई नहीं मिल रही। उन्होंने कहा कि कई क्षेत्रों में गंदा पानी आने की समस्या अब भी बनी हुई है। चौकसे ने आरोप लगाया कि 35 लोगों की मौत के बाद भी नगर निगम ने स्थिति सुधारने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए। कांग्रेस ने भाजपा के 27 वर्षों के नगर निगम शासन पर सवाल उठाते हुए कहा कि इतने लंबे समय के बाद भी शहर के प्रत्येक नागरिक तक नर्मदा जल पहुंचाने की व्यवस्था नहीं हो सकी। चौकसे ने कहा कि नर्मदा परियोजना के तीसरे चरण के समय दावा किया गया था कि साल 2040 तक की आबादी के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध रहेगा, लेकिन वर्तमान में साल 2026 की आबादी को भी पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा।

बोरिंग और मोटर खराब होने से बढ़ी परेशानी

कांग्रेस का आरोप है कि जिन क्षेत्रों में नर्मदा पाइपलाइन नहीं है वहां लोग बोरिंग के पानी पर निर्भर हैं। तेज गर्मी के कारण कई बोरिंग सूख गए हैं या मोटरें खराब हो गई हैं। चौकसे ने आरोप लगाया कि नगर निगम के सरकारी बोरिंगों की स्थिति और खराब है। उन्होंने कहा कि पूरे शहर की मोटर सुधारने का ठेका केवल एक ठेकेदार को दिया गया है, जो काम छोड़ने की बात कह चुका है, लेकिन निगम ने वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की।

वीआईपी क्षेत्रों में ज्यादा पानी, आम जनता परेशान

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि शहर में जल वितरण असमान है। कुछ वीआईपी क्षेत्रों में लंबे समय तक और अधिक दबाव से पानी दिया जा रहा है, जबकि आम लोग पानी के लिए परेशान हैं। उन्होंने कहा कि लोग निजी टैंकरों से महंगा पानी खरीदने को मजबूर हैं। पार्षदों को दिए गए टैंकर भी पर्याप्त पानी नहीं भर पा रहे क्योंकि कई हाइड्रेंट बंद पड़े हैं।

पानी की समस्या के समाधान के बारे में

वार्ड 74 के अमित नागर ने बताया कि इस समय पूरे इंदौर शहर के नागरिक पानी की समस्या से हैरान परेशान है। नागरिकों की इस मूलभूत आवश्यकता की पूर्ति करना इंदौर नगर निगम का दायित्व है। निगम अपने इस दायित्व के निर्माण में पूरी तरह से नाकाम साबित हो रहा है। शहर के अधिकांश क्षेत्रों में या तो नर्मदा की लाइन नहीं है और फिर लाइन है तो उसमें पानी नहीं आता है। जिन क्षेत्रों में नागरिकों की पानी की आवश्यकता की पूर्ति के लिए इंदौर नगर निगम के द्वारा बोरिंग कराए गए हैं वहां पर या तो बोरिंग खराब हो गया है या उसकी मोटर जल गई है। अपने कार्यालय अथवा वर्कशॉप में नहीं की गई है। ऐसे में नागरिकों को अपने खून पसीने की मेहनत के हजारों रुपए देकर निजी टैंकर वालों से पानी खरीद कर अपनी आवश्यकता की पूर्ति करना पड़ रही है। ऐसी स्थिति में यह आवश्यक है कि हर दिन की आवश्यकता की पूर्ति के लिए हर नागरिक को पर्याप्त पानी उपलब्ध कराया जाएं।

संक्षेप

दो पक्षों में विवाद, युवक गंभीर घायल

पीथमपुर। पीथमपुर के औद्योगिक क्षेत्र की जय नगर कॉलोनी में शुक्रवार शाम दो पक्षों के बीच हुए झगड़े में एक युवक बुरी तरह घायल हो गया। विवाद की खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को अस्पताल पहुंचाया। घटना जय नगर कॉलोनी की है, जहां शाम को दो गुटों में कहासुनी के बाद मारपीट शुरू हो गई। विवाद में राहुल (पिता कमल) नाम का युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर पहुंची डायल 112 की टीम के प्रभारी राहुल दामके ने तुरंत घायल युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टर ने राहुल का शुरुआती इलाज किया, लेकिन चोटें ज्यादा गंभीर होने की वजह से उसे बेहतर इलाज के लिए इंदौर भेज दिया गया है।

पीथमपुर में ज्वेलरी दुकान कर्मचारी से लूट

पीथमपुर। पीथमपुर के औद्योगिक क्षेत्र सेक्टर 01 में बीती रात एक ज्वेलरी दुकान के कर्मचारी से लूट की वारदात हुई। एस्सार पेट्रोल पंप के सामने दो अज्ञात बदमाशों ने कट्टा दिखाकर सोने-चांदी के जेवरात और हजारों की नकदी छीन ली। पुलिस को दी जानकारी में पीड़ित सौरभ पटेल (21) ने बताया कि वह बालाजी विहार कॉलोनी, बेटमा का निवासी है और एक ज्वेलरी दुकान में काम करता है। घटना के समय वह अपनी मोटरसाइकिल (क्रमांक MH-40-CJ-5328) से दुकान मालिक दिनेश मंडलोई के घर जा रहा था। सौरभ के पास एक सफेद रंग का बैग था, जिसमें दुकान के कीमती सोने-चांदी के आभूषण और 28,000 रुपये की नगदी रखी थी।

पीथमपुर में ट्रक से टकराई यात्री बस

पीथमपुर। आगर-मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग पर आज शुक्रवार सुबह सड़क हादसा हुआ। नाडेड के पास तेज रफ्तार यात्री बस आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई। हादसे में बस में सवार 10 से अधिक यात्री घायल हो गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, खुशी ट्रेवल्स की यह बस कुक्षी से इंदौर जा रही थी। ओवरटेक करने के प्रयास में चालक ने बस पर से नियंत्रण खो दिया, जिससे बस सीधे ट्रक के पिछले हिस्से में जा घुसी। हादसे के समय यात्री गहरी नींद में थे और टक्कर होते ही चीख-पुकार मच गई। प्रत्यक्षदर्शी यात्री महेश गोयल ने बताया कि बस की रफ्तार बहुत तेज थी और हादसा पलक झपकते ही हो गया। घटना की सूचना मिलते ही हाईवे एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। डॉक्टरों के अनुसार, एक महिला को सिर में गंभीर चोट आई है।

डेली कॉलेज चुनाव पर हाईकोर्ट की मुहर, 21 मई को ही मतदान

कोर्ट बोला- चुनाव प्रक्रिया में दखल का मामला नहीं

इंदौर ● संवाददाता

डेली कॉलेज चुनाव को लेकर पिछले कई दिनों से चल रहा विवाद आखिरकार शुक्रवार को थम गया। Madhya Pradesh High Court की इंदौर खंडपीठ ने चुनाव से जुड़ी सभी चार याचिकाएं खारिज करते हुए साफ कर दिया कि तय कार्यक्रम के अनुसार 21 मई को मतदान और उसी दिन मतगणना होगी। फैसले के बाद चुनाव को लेकर बना असमंजस पूरी तरह खत्म हो गया है।

मामले की सुनवाई जस्टिस Sandeep N. Bhatt की एकलपीठ ने की। करीब एक घंटे चली सुनवाई के बाद कोर्ट ने आदेश सुरक्षित रख लिया था, जिसे देर शाम जारी किया गया। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि संविधान संशोधन को लेकर आपत्ति रखने वालों के पास वैकल्पिक वैधानिक उपाय उपलब्ध हैं और वे रजिस्ट्रार स्तर पर अपील कर सकते हैं। कोर्ट ने यह भी माना कि The Daly College एक गैर-सरकारी सहायता प्राप्त निजी संस्था है, इसलिए न्यायालय के हस्तक्षेप की सीमाएं तय हैं। कोर्ट ने यह भी उल्लेख किया कि चुनाव प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है। पोस्टल बैलेट मतदाताओं को भेजे जा चुके हैं और मतदान की तारीख भी निकट है। ऐसे में चुनाव प्रक्रिया रोकने या उसमें हस्तक्षेप करने का कोई पर्याप्त आधार नहीं बनता।

संविधान संशोधन बना था विवाद का केंद्र

याचिकाकर्ताओं की ओर से मुख्य आपत्ति कॉलेज के संविधान में किए गए संशोधन को लेकर थी। उनका आरोप था कि संशोधन नियमों के अनुरूप नहीं हुआ और इसे अवैध घोषित किया जाना चाहिए। वहीं कॉलेज प्रबंधन की ओर से दलील दी गई कि याचिकाएं सुनवाई योग्य ही नहीं हैं, क्योंकि संबंधित पक्षों के पास रजिस्ट्रार के समक्ष जाने का अधिकार मौजूद है। कॉलेज की ओर से यह भी कहा गया कि याचिकाकर्ता सभी पूर्व छात्रों का प्रतिनिधित्व नहीं करते और चुनाव प्रक्रिया को अंतिम समय में चुनौती देना उचित नहीं है।

इन लोगों ने दायर की थीं याचिकाएं

यह याचिकाएं जय सिंह झाबुआ, विक्रम अहलूवाल, संदीप पाटिल सहित अन्य पक्षों की ओर से दायर की गई थीं। अब हाईकोर्ट के आदेश के बाद डेली कॉलेज चुनाव का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया है और 21 मई को मतदान के साथ परिणाम भी घोषित किए जाएंगे।

इंदौर के सराफा में देर रात ताले तोड़ने पहुंचे बदमाश

इंदौर। सराफा इलाके में सोमवार देर रात बदमाशों ने जमकर उत्पात मचाया। तीन से ज्यादा बदमाश धान गली में पहुंचे और यहां चोरी की वारदात को अंजाम देने के साथ कई दुकानों के ताले तोड़ने की कोशिश की। बदमाशों की पूरी करतूत इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। मामले में पुलिस ने 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें द्वारकापुरी कॉलोनी के रहने वाले जगदीश सिंह और सुरेश चौहान है। दोनों की उम्र 20 साल है। जानकारी के मुताबिक बदमाश देर रात धान गली पहुंचे थे। यहां से उन्होंने गैस भट्टी समेत अन्य सामान चोरी कर लिया। इसके बाद उन्होंने आसपास की दुकानों को भी निशाना बनाने की कोशिश की। इसी दौरान इलाके के रहवासियों की नजर बदमाशों पर पड़ गई।

इंदौर में 3 भाइयों ने युवक से की मारपीट

इंदौर। चंदन नगर इलाके में एक युवक के साथ तीन भाइयों ने मिलकर मारपीट की। बताया जाता है कि आरोपियों ने डीपी से इलाके की बिजली बंद कर दी थी। जब युवक कारण जानने के लिए वहां पहुंचा तो विवाद बढ़ गया और उस पर हमला कर दिया गया। चंदन नगर पुलिस के अनुसार, शाहनवाज खान निवासी केशव नगर की शिकायत पर अनवर पुत्र सलीम, फारूख और सिद्दकी के खिलाफ मारपीट की एफआईआर दर्ज की गई है। शाहनवाज ने बताया कि गुरुवार रात करीब साढ़े 12 बजे अचानक घर की बिजली वोल्टेज कम होने के बाद बंद हो गई थी। वह जब बाहर निकला तो देखा कि डीपी के पास तीनों भाई खड़े थे। उसने वहां कारण पूछा तो आरोपियों ने उसे वहां से जाने के लिए कह दिया।

एंट्री निःशुल्क, रोमांच दोगुना

नेहरू स्टेडियम में बना आईपीएल मैचों का फैन पार्क

इंदौर ● संवाददाता

इंडियन प्रीमियर लीग अर्थात आईपीएल का रोमांच देश भर में शुरू हो चुका है। हालांकि इंदौर शहर में इस बार आईपीएल के मुकाबले लाइव नहीं खेले जाएंगे लेकिन इसके बावजूद इंदौर की खेलप्रेमी जनता के लिए इन मैचों के लाइव शो विशेष रूप से तैयार किए जा रहे हैं। इंदौर के नेहरू स्टेडियम में आईपीएल मैचों की तरह ही एक बेहद भव्य और आकर्षक सेटअप तैयार किया जा रहा है। यहां पर बहुत बड़ी स्क्रीन्स लगाने के साथ-साथ मैच के दीवानों के लिए पूरे स्टेडियम का सजीव और लाइव माहौल तैयार किया जा रहा है। इस विशेष आयोजन स्थल को क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड द्वारा फैन पार्क का नाम दिया गया है। इस पूरे आयोजन के लिए प्रवेश बिल्कुल मुफ्त रखा गया है।

स्टेडियम जैसा सजीव अनुभव और सुविधाएं

देश के इस सबसे भव्य क्रिकेट आयोजन के तमाम प्रशंसक यहां पर एक साथ एकत्रित होंगे और आईपीएल के शानदार व ऊर्जावान माहौल का भरपूर आनंद उठाएंगे। मैदान पर लगने वाली विशाल स्क्रीन पर दिखाए जाने वाले हर रोमांचक पल के साथ, हर मुख्य स्थान से लाइव मैच का सीधा प्रसारण किया जाएगा, जिससे यहां आने वाले प्रशंसकों को बिल्कुल मुख्य खेल मैदान जैसा ही वास्तविक अनुभव प्राप्त होगा। शहर का कोई भी क्रिकेट प्रशंसक इस बड़े उत्सव से वंचित नहीं रहेगा क्योंकि इस फैन पार्क में प्रवेश की व्यवस्था पूरी तरह से निःशुल्क रखी गई है। इसके साथ ही, आईपीएल के आधिकारिक प्रायोजकों के विशेष गीत संगीत, खाने-पीने के स्वादिष्ट इंदौरी स्टाल, विभिन्न प्रकार के शीतल पेय और कई अन्य मनोरंजक गतिविधियां दर्शकों के इस अनुभव को और भी ज्यादा रोमांचक बना देंगी। क्रिकेट विश्लेषकों का मानना है कि आईपीएल का हर नया सीजन अपने पिछले सीजन से काफी बड़ा होता जा रहा है, और इसी क्रम में इस बार कुल मिलाकर 10 लाख से अधिक क्रिकेट प्रेमियों के आने की उम्मीद जताई जा रही है। जिससे इस बार फैन पार्क में दर्शकों का उत्साह और भी ज्यादा देखने को मिलेगा।

प्रशंसकों को मिलेगा खास मंच

इन तमाम तरह की विविध गतिविधियों के साथ, वहां मौजूद प्रशंसकों को ऐसा महसूस होगा जैसे वे अपने पसंदीदा अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों और टीमों का समर्थन करते हुए सीधे मुख्य स्टेडियम में ही मौजूद हैं। दर्शकों के उत्साह को और अधिक बढ़ाने के लिए, इस फैन पार्क में आने वाले सभी प्रशंसकों को अपनी पसंदीदा टीम, स्टार खिलाड़ी या क्रिकेट खेल के प्रति अपने अटूट जुनून को खुलकर व्यक्त करने और अपने खास फैन मोमेंट्स को कैमरे में कैद करने का बेहतरीन मौका मिलेगा।

युवक ने लगाई फांसी, मंगेतर से हुई थी कहासुनी

इंदौर ● संवाददाता

इंदौर के आजाद नगर थाना क्षेत्र में रहने वाले एक युवक ने गुरुवार रात फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि घटना के समय वह अपनी मंगेतर से बात कर रहा था। दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी, जिसके बाद युवक ने यह कदम उठा लिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस के मुताबिक घटना मूसाखेड़ी क्षेत्र की है। यहां रहने वाले प्रथम तंबोली (20) ने अपने घर में फांसी लगाकर जान दे दी। देर रात रिश्तेदारों ने उसे फंदे पर लटका देखा, जिसके बाद तत्काल उसे नीचे उतारा गया। बाद में शव को पोस्टमार्टम के लिए एमवाय अस्पताल भेजा गया। परिजनों ने बताया कि प्रथम की मंगेतर छावनी क्षेत्र में रहती है। घटना वाली रात वह प्रथम के घर पहुंची थी। उसी ने पड़ोस में रहने वाले रिश्तेदारों को घटना की जानकारी दी। मंगेतर के मुताबिक दोनों के बीच बातचीत चल रही थी और इसी दौरान किसी बात को लेकर विवाद हो गया। इसके कुछ देर बाद प्रथम ने आत्मघाती कदम उठा लिया।

इसी साल होनी थी प्रथम की शादी

प्रथम निजी काम करता था। घटना के समय उसका भाई और पिता शिवपुरी गए हुए थे, जबकि उसकी मां अरबिंदो अस्पताल में ड्यूटी पर थीं। सूचना मिलने के बाद रिश्तेदारों ने परिवार को फोन कर बुलाया। परिजनों के अनुसार कुछ समय पहले ही प्रथम और उसके भाई की सगाई हुई थी। इसी वर्ष दोनों की शादी होना तय थी। प्रथम लव मैरिज करने वाला था।

पुलिस का कहना है

आजाद नगर टीआई लोकेश भदौरिया ने बताया कि मामले में फिलहाल जांच की जा रही है। घटनास्थल से किसी प्रकार का सुसाइड नोट नहीं मिला है। सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

महू में बस घर में घुसी, अंदर थे 6 लोग

इंदौर ● संवाददाता

महू के धारनाका इलाके में शुक्रवार शाम करीब 7:30 बजे एक बड़ा हादसा होते-होते रह गया। पुलिया का काम चलने की वजह से जिस रास्ते पर गाड़ियों का आना-जाना मना था, वहां एक बस बेकाबू होकर सीधे एक घर में जा घुसी। राहत की बात यह रही कि बस में यात्री होने के बावजूद किसी की जान नहीं गई।

यह हादसा रामगोपाल वर्मा के घर में हुआ। जिस वक्त बस घर की दीवार तोड़कर अंदर घुसी, उस समय परिवार के छह लोग घर के भीतर ही थे। अचानक हुई इस टक्कर से पूरे इलाके में भगदड़ और डर का माहौल बन गया। शोर सुनकर आसपास के लोग तुरंत मदद के लिए दौड़े और स्थिति को संभाला।

प्रतिबंधित रास्ते पर घुसा दी बस

बताया जा रहा है कि पुलिया के निर्माण की वजह से इस रास्ते पर बैरिकेड्स लगाकर बड़े वाहनों का प्रवेश रोका गया था। इसके बावजूद बस ड्राइवर ने लापरवाही दिखाई और मनाही के बाद भी बस को इसी रास्ते पर ले आया। इस घटना ने प्रशासन की ट्रैफिक व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं कि पाबंदी के बाद भी बस वहां तक कैसे पहुंची।

पुलिस कर रही है जांच

हादसे की खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस अब ड्राइवर की इस बड़ी लापरवाही को लेकर जांच कर रही है और उसके खिलाफ कार्रवाई की तैयारी में है।

12 हजार छात्रों के लिए तैयारी में जुटा प्रशासन

24 मई को इंदौर के 27 केंद्रों पर होगी यूपीएससी

इंदौर ● संवाददाता

इंदौर में 24 मई को आयोजित होने वाली सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। संघ लोक सेवा आयोग की इस परीक्षा के लिए इंदौर में कुल 27 परीक्षा केंद्र स्थापित किए गए हैं। इन केंद्रों पर कुल 12,104 परीक्षार्थी अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। विशेष रूप से एक केंद्र पीडब्ल्यूडी श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित किया गया है। परीक्षा रविवार, 24 मई को दो पालियों में संपन्न होगी। प्रथम सत्र का समय सुबह 9.30 बजे से 11.30 बजे तक रहेगा, जबकि द्वितीय सत्र दोपहर 2.30 बजे से शाम 4.30 बजे तक आयोजित किया जाएगा।

संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने एक महत्वपूर्ण बैठक लेकर तैयारियों की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने स्पष्ट किया कि परीक्षा के दौरान संघ लोक सेवा आयोग द्वारा निर्धारित नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए।

निर्बाध बिजली आपूर्ति का ध्यान रखें

परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े को परीक्षा समन्वयक अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। साथ ही संयुक्त आयुक्त शैली कनाश को प्रभारी परीक्षा अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है। बैठक में राजस्व उपायुक्त सपना लोवंशी और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रमोद सिंह सहित नगर निगम, बिजली विभाग, डाकघर और कोषालय के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। प्रशासन ने केंद्रों पर निर्बाध बिजली आपूर्ति और स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

परीक्षा केंद्र के भीतर यह सब प्रतिबंधित

आयोग के कड़े नियमों के अनुसार, परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र के भीतर केवल पेन, पेंसिल, ई-एडमिट कार्ड, स्वयं के फोटो और आधिकारिक पहचान पत्र ले जाने की अनुमति होगी। मोबाइल फोन, कैलकुलेटर, स्मार्ट वॉच, डिजिटल गैजेट, ब्लूटूथ उपकरण और बैग जैसे सामान ले जाना पूरी तरह वर्जित है। प्रवेश केवल आयोग की वेबसाइट से डाउनलोड किए गए वैध ई-एडमिट कार्ड के आधार पर ही मिलेगा। परीक्षार्थियों को केवल उनके आवंटित परीक्षा केंद्र पर ही बैठने की अनुमति दी जाएगी।

नीमच में युवती ने समाज अध्यक्ष को थप्पड़ मारे

मंदिर में बैठक के दौरान हंगामा, कॉलर पकड़कर बोली- तू होता कौन है...

संवाददाता ● नीमच

नीमच शहर के नीमच सिटी थाना क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर नायक समाज की बैठक के दौरान हंगामा हो गया। एक युवती ने समाज के अध्यक्ष सरदार सिंह नायक को थप्पड़ मार दिए। इतना ही नहीं युवती अध्यक्ष का कॉलर पकड़कर पूछा तू होता कौन है। यह घटना नीलकंठ महादेव मंदिर परिसर में हुई, जिसका वीडियो सामने आया है।

जानकारी के अनुसार, जेतपुरा पालसोड़ा निवासी सरदार सिंह नायक रघुवंशी समाज के अध्यक्ष हैं। शुक्रवार को मंदिर परिसर में समाज की मासिक बैठक आयोजित की गई थी। इसी दौरान समाज की एक युवती वहां पहुंची। युवती ने आरोप लगाया कि अध्यक्ष सरदार सिंह ने उसके चरित्र और शादी समारोह में आने-जाने को लेकर समाज के लोगों के बीच अमर्यादित टिप्पणी की थी। युवती के पास इस बातचीत की एक रिकॉर्डिंग भी थी। बैठक में मौजूद लोगों के सामने ही युवती ने रिकॉर्डिंग का हवाला दिया और आक्रोशित होकर अध्यक्ष की कॉलर पकड़कर उन्हें थप्पड़ जड़ दिए। अचानक हुए इस घटनाक्रम से वहां मौजूद लोग हैरान रह गए। कुछ लोगों ने तुरंत बीच-बचाव कर युवती को पीछे हटाया। घटनाक्रम का वहां मौजूद किसी व्यक्ति ने मोबाइल से वीडियो बना लिया। वीडियो में युवती अध्यक्ष को थप्पड़ मारते हुए दिख रही है, जिसके बाद अन्य सदस्य बीच-बचाव करते हैं। यह वीडियो अब शहर में चर्चा का विषय बन गया है। घटना के तुरंत बाद अध्यक्ष सरदार सिंह नायक समाज के अन्य पदाधिकारियों के साथ नीमच सिटी थाने पहुंचे। उन्होंने युवती के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

सिलावद पुलिस ने 4 नाबालिगों सहित 5 आरोपी किए गिरफ्तार

लाल गमछे ने खोला अंधेकत्ल का राज

संवाददाता ● बड़वानी

बड़वानी जिले की सिलावद पुलिस ने एक सप्ताह पूर्व हुए अंधेकत्ल का पर्दाफाश किया है। इस मामले में चार नाबालिगों सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि इस हत्याकांड का राज एक 'लाल गमछे' से खुला। अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

सिलावद थाना प्रभारी रामकृष्ण लौवंशी ने शुक्रवार शाम 6.30 बजे मामले का खुलासा करते हुए बताया कि 7 मई को थाना सिलावद क्षेत्रांतर्गत ग्राम केली के पटेलफल्या के पास एक बाइक दुर्घटना के बाद गंगाराम (40 वर्ष, निवासी पोखलिया) की हत्या कर उसे फांसी पर लटकाने की घटना सामने आई थी। मृतक के भाई बाहलिया बारेला (निवासी खिरनीफल्या पोखलिया) की सूचना पर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। मृतक के भाई ने पुलिस को बताया था कि गंगाराम सुबह करीब 7 बजे बाइक से अपने ससुराल ग्राम चारणखेड़ा गया था। कुछ समय बाद उन्हें सूचना मिली कि ग्राम केली के पास उसका एक्सीडेंट हो गया है और वह नाले के पास एक पलाश के पेड़ पर फांसी के फंदे से लटका हुआ मिला है। सूचना पर सिलावद थाने में मर्ग कायम कर

शव का पोस्टमार्टम कराया गया और परिजनों को सौंप दिया गया।

मृतक के गले में मिला किसी ओर का गमछा

थाना प्रभारी रामकृष्ण लौवंशी ने बताया कि जांच के दौरान परिजनों ने जानकारी दी कि मृतक के पास सफेद गमछा था, जबकि उसे लाल गमछे से फांसी लगाई गई थी। यह गमछा मृतक का नहीं था। परिजनों ने घटना को संदिग्ध बताते हुए हत्या की आशंका जताई थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए एसपी पद्मविलोचन शुक्ल के निर्देशन तथा एएसपी धीरज बब्बर व एसडीओपी महेश सुनैया के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी रामकृष्ण लौवंशी द्वारा एक विशेष टीम गठित की गई। वैज्ञानिक अधिकारी सुनील मकवाना (खरगोन) के मार्गदर्शन और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर यह स्पष्ट हुआ कि यह दुर्घटना नहीं, बल्कि एक सुनियोजित हत्या थी।

नाबालिग ने फंदे से लटकाया

जांच में सामने आया कि घटना के समय बाइक की टक्कर के बाद विवाद हुआ। इसके बाद आरोपियों ने गंगाराम का पीछा किया, उसे धमकाया और पत्थर मारे। डरकर गंगाराम एक पलाश के पेड़ पर चढ़ गया। इसी दौरान एक बाल अपचारी ने लाल गमछे से उसके गले में फंदा डालकर उसे पेड़ से लटका दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।

चार नाबालिग समेत पांच गिरफ्तार

पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी राजू पिता गुलाब जाति बारेला निवासी डोंगरगांव सहित चार बाल अपचारी बालकों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है, जिन्हें शीघ्र गिरफ्तार किया जाएगा। पुलिस की इस कार्रवाई में थाना प्रभारी उनि रामकृष्ण लौवंशी, उनि अय्यूब शेख, सउनि सुरेश पाटीदार, राकेश मालवीय, प्रआ इसराम डावर, राकेश, ईश्वरसिंह, राजमलिसिंह, यशवंत यादव, आरक्षक सुनील, पारसिंह तथा सावन की सराहनीय भूमिका रही।

शॉर्ट न्यूज

तरबूज खाने के बाद पिता की मौत, बेटा गंभीर

श्योपुर। श्योपुर में शुक्रवार सुबह तरबूज खाने के बाद एक शख्स की मौत हो गई, जबकि बेटे की हालत गंभीर बनी हुई है। सीने में जलन की शिकायत के बाद पिता-पुत्र ने तरबूज खाया था। मामले में फूड पॉइजनिंग की आशंका जताई जा रही है। सुसनेर, शाजापुर निवासी इंद्र सिंह परिहार (43), बेटे विनोद (21) के साथ श्योपुर में रिलायंस पेट्रोल पंप के सामने किराए के मकान में रहते थे। इंद्र सिंह ड्राइवर थे। परिजनों ने बताया कि रात के समय खाना खाने के बाद उनकी तबीयत खराब हुई, जिसके बाद सुबह करीब 6 बजे इंद्र सिंह और विनोद दोनों को दोबारा सीने में जलन महसूस हुई। ठंडाई के लिए दोनों बाप बेटे ने तरबूज खाया। बेटे की हालत गंभीर है। उसे आईसीयू में एडमिट कराया गया है।

घर से सोना निकाल दूंगा कहकर 13 लाख ठगे

मंदसौर। मंदसौर शहर में जादू-टोना और सोने के बिस्किट का लालच देकर लाखों रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। कोतवाली थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी भूरू खां को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने एक महिला को घर से सोने के बिस्किट निकालने और अमीर बनाने का झांसा देकर अपने जाल में फंसाया था। पुलिस के अनुसार फरियादिया सिलाई-कढ़ाई का काम करती है। उसकी पहचान पिछले 4-5 वर्षों से आरोपी भूरू खां से थी। इसी दौरान आरोपी ने महिला को विश्वास में लिया और जादू-टोना के जरिए गरीबी दूर करने तथा लाखों रुपए का फायदा दिलाने का लालच दिया। आरोपी ने जून 2025 में महिला से कहा कि वह उसके कच्चे मकान के अंदर जादू-टोना कर सोने के कई बिस्किट निकाल सकता है। आरोपी की बातों में आकर महिला ने 14 जून से 21 नवंबर 2025 के बीच अलग-अलग किश्तों में नकद और ऑनलाइन माध्यम से कुल 13 लाख 80 हजार 790 रुपए उसे दे दिए। महिला लगातार आरोपी से सोने के बिस्किट देने की मांग करती रही। इसके बाद नवंबर 2025 में आरोपी महिला के घर पहुंचा और करीब आधे घंटे तक घर के अंदर जादू-टोना करने का नाटक करता रहा। इस दौरान उसने महिला और उसके परिजनों को घर से बाहर रखा। कुछ देर बाद आरोपी 10 कथित "सोने के बिस्किट" लेकर बाहर आया और महिला को सौंपते हुए कहा कि ये जादू-टोना से निकले असली सोने के बिस्किट हैं।

प्रभारी मंत्री ने पंचायत भवन का उद्घाटन किया

बड़वानी। बड़वानी जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. गौतम टेटवाल और भाजपा जिला अध्यक्ष अजय यादव शुक्रवार शाम निवाली जनपद के ग्राम फुलज्वारी पहुंचे। यहां उन्होंने सरकारी कामों का जायजा लिया। प्रभारी मंत्री ने गांव में 37.50 लाख रुपए की लागत से बने नए पंचायत भवन का उद्घाटन किया। उन्होंने भवन के अंदर सरपंच कमरे, मेहमानों के कमरे और कंप्यूटर रूम को देखा। इस नए और आधुनिक भवन के बनने से अब ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं और अपने कागजी कामों के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। पंचायत भवन के नए हॉल में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां प्रभारी मंत्री ने संबल योजना से जुड़े लोगों को सहायता राशि (हितलाभ) के चेक बांटे। डॉ. टेटवाल ने गांव के पुराने शिव मंदिर में माथा टेका और जिले की खुशहाली की दुआ माँगी।

प्रभारी मंत्री ने पंचायत भवन का उद्घाटन किया

भोजशाला के फैसले पर बड़वानी में कहा- यह सनातन धर्म-सत्य की जीत

संवाददाता ● बड़वानी

बड़वानी जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. गौतम टेटवाल और भाजपा जिला अध्यक्ष अजय यादव शुक्रवार शाम निवाली जनपद के ग्राम फुलज्वारी पहुंचे। यहां उन्होंने सरकारी कामों का जायजा लिया।

प्रभारी मंत्री ने गांव में 37.50 लाख रुपए की लागत से बने नए पंचायत भवन का उद्घाटन किया। उन्होंने भवन के अंदर सरपंच कमरे, मेहमानों के कमरे और कंप्यूटर रूम को देखा। इस नए और आधुनिक भवन के बनने से अब ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं और अपने कागजी कामों के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। पंचायत भवन के नए हॉल में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां प्रभारी मंत्री ने संबल योजना से जुड़े लोगों को सहायता राशि (हितलाभ) के चेक बांटे। डॉ. टेटवाल ने गांव के पुराने शिव मंदिर में माथा टेका और जिले की खुशहाली की दुआ माँगी। मंदिर के पास ही उन्होंने नीम, पीपल और बरगद के पौधे (त्रिवेणी) लगाए और लोगों को पर्यावरण बचाने का संदेश दिया। जलगंगा संवर्धन अभियान के तहत मंत्री जी ने गांव में बने नए चेकडैम (छोटा बांध) को देखा। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि बांध का काम अच्छा होना चाहिए ताकि किसानों को पानी की समस्या न हो और जमीन के अंदर पानी का स्तर (Water Level) सुधर सके। मंत्री गौतम टेटवाल ने धार की ऐतिहासिक भोजशाला को लेकर आए कोर्ट के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने इसे सनातन धर्म और सच्चाई की बड़ी जीत बताते हुए कहा कि इससे करोड़ों लोगों की आस्था का सम्मान हुआ है। मीडिया से बातचीत में मंत्री टेटवाल ने कहा कि इतिहास इस बात का गवाह है कि मुगल, पठान और खिलजी जैसे आक्रमणकारियों ने भारत के कई मंदिरों को तोड़ने और हमारी पहचान मिटाने की कोशिश की थी। उन्होंने कहा कि कई धार्मिक स्थलों को अपवित्र किया गया, लेकिन अब कोर्ट के फैसले से 'दूध का दूध और पानी का पानी' हो गया है। मंत्री ने कहा कि अब श्रद्धालु केवल बसंत पंचमी पर ही नहीं, बल्कि अन्य अवसरों पर भी मां सरस्वती की पूजा कर सकेंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश अब अपनी संस्कृति और परंपराओं की ओर लौट रहा है और हम 'इंडिया' से 'भारत' की ओर बढ़ रहे हैं। उनके अनुसार, अपनी सभ्यता और आस्था का सम्मान करना ही हिंदू राष्ट्र की सच्ची भावना है। गौतम टेटवाल ने भरोसा दिलाया कि सरकार भोजशाला के संरक्षण और वहां की व्यवस्थाओं को सुधारने के लिए काम करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार ऐतिहासिक धरोहरों को लेकर गंभीर है।

युवक को मारकर मिट्टी में गाड़ा, प्राइवेट पार्ट गायब

नर्मदापुरम। मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम जिले के मोहासा औद्योगिक क्षेत्र में एक युवक को मार डाला। हत्या कर शव मिट्टी के ढेर में दबा दिया। शरीर पर कई जगह काटने के निशान हैं। आंतें बाहर निकली थीं। पैर अलग हो गए थे। शव इतनी बुरी हालत में है कि प्राइवेट पार्ट तक गायब है। हालांकि प्राइवेट पार्ट गायब होने की पुष्टि पुलिस ने नहीं की है। जानकारी के मुताबिक, मृतक की पहचान अतुल यादव (19) के रूप में हुई है। वह मालाखेड़ी क्षेत्र में रहकर मोहासा औद्योगिक क्षेत्र में दावत कंपनी के प्लांट निर्माण कार्य में मिट्टी डलवाने का काम करता था। करीब 18 घंटे बाद शव मिलने पर ग्रामीणों ने बवाल कर दिया। जेसीबी में तोड़फोड़ की।

बच्ची के हाथ-पैर बांधे, सिर कुचलकर मार डाला

मुरैना। जिले में 7 साल की बच्ची को पड़ोसी ने शादी वाले घर से आधीरात किडनैप कर लिया। गमछे से हाथ-पैर बांधे, फिर पत्थर से सिर कुचलकर मार डाला। खून से सनी लाश को गुफानुमा गड्ढे में फेंक दिया। आरोपी वापस शादी वाले घर लौट आया, जैसे कुछ हुआ ही न हो। पुलिस ने तनु के पड़ोसी रामदीन जाटव को गिरफ्तार किया है। आरोपी को अपनी पत्नी राममाया और तनु के बाबा रघुनाथ जाटव के बीच अफेयर का शक था। इसी नफरत और बदले की भावना में उसने बच्ची की हत्या की। वह तनु को ढूंढने की एक्टिंग करता रहा, लेकिन गमछे की वजह से पकड़ा गया। पुलिस के मुताबिक, चिन्नोनी थाना क्षेत्र के रामलाल का पुरा गांव में आरोपी रामदीन जाटव की सगी बहन मीरा जाटव के घर भात कार्यक्रम था।

फर्नीचर व्यापारी को अपने साथियों सहित किया ब्लैकमेल

मुरैना में समाज सेविका और भाजपा नेत्री का हनी ट्रैप

संवाददाता ● मुरैना

जौरा कस्बे के एक फर्नीचर व्यापारी को हनी ट्रैप कर फंसाया गया और फिर उससे दस लाख रुपए की रकम ब्लैकमेलिंग कर मांगी गई। व्यापारी ने जौरा थाना पहुंच मामला दर्ज कराया। पुलिस ने इसमें दो पुरुष आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दो महिला आरोपी अभी भी फरार है। खास बात यह है इस पूरे मामले की मास्टरमाइंड खुद समाज सेविका और भाजपा नेत्री बताने वाली महिला है। इस महिला के कई भाजपा नेताओं के साथ फोटो सोशल मीडिया पर देखे गए है।

फर्नीचर व्यापारी को फंसाया

जौरा के फर्नीचर व्यापारी रमेश उर्फ पप्पू शिवहरे पुत्र जुंगीलाल शिवहरे निवासी वार्ड क्रमांक 3 बैंड वाली गली को समाज सेविका और भाजपा नेत्री सोनम कुशवाह के द्वारा अपनी एक महिला साथी मीरा कुशवाह और दो पुरुष साथी गजेंद्र कुशवाह,सचिन कुशवाह के साथ मिलकर फंसाया और फिर उसे ब्लैकमेल कर दस लाख रुपए की रकम मांगी। फर्नीचर व्यापारी घबरा गया और सीधे पुलिस के पास पहुंचा और 11 मई को मामला दर्ज कराया।

जौरा फर्नीचर व्यापारी रमेश शिवहरे की तीन माह पहले शिवहरे धर्मशाला में आयोजित एक कार्यक्रम में समाज सेविका और भाजपा नेत्री कहने वाली सोनम कुशवाह से हुई और उसने मुझसे मेरा मोबाइल नंबर मांगा और अपना मोबाइल नंबर 9691644881 दिया और कहा जब में फोन लगाऊं तो आप उठा लेना। 10 मई को सोनम कुशवाह का फोन आया और उसने मुझे मनीष पेट्रोल पंप के पास स्कूल वाली गली में बुलाया और कहा कि फर्नीचर और एसी लगना है, आप साइड विजिट कर लो। व्यापारी शाम 7:30 पर वहां बताए गए स्थान पर पहुंचा तो सोनम कुशवाह, मीरा नामक महिला पहले से वाहन में मेरा इंतजार कर रहे थे। उन्होंने मुझे जैसे ही मकान में अंदर लिया तो दोनों मुझ पर हावी हुई और एक ऑटो से वहां सचिन, गजेंद्र भी पहुंच गए। चारों ने जबरन मेरे कपड़े उतार कर वीडियो बयाना और कहा कि दस लाख रुपए दे देना नहीं तो यह वीडियो वायरल कर दूंगा।

पूर्व में भी दिया घटना को अंजाम

इसी गैंग ने पूर्व में थाना माता बसैया में भी इस तरह की घटना को अंजाम दिया था। पिछले साल 16 नवंबर को माता बसैया थाने में इन्हीं आरोपियों पर एक और हनी ट्रैप की एफआईआर दर्ज हुई थी। जब सोनम कुशवाह गैंग के द्वारा एक किसान को फंसा कर उससे पहले फोन पर अश्लील बात की फिर उसे वायरल करने के नाम पर उसकी तीस लाख रुपए कीमत की जमीन अपने नाम बेचने का अनुबंध करवा लिया। बाद में वह किसान पुलिस के संपर्क में पहुंचा और मामला दर्ज करवाया।

बेटे को बचाने दौड़ी मां को हाईवा ने कुचला, मौत

संवाददाता ● मऊगंज

मऊगंज थाना क्षेत्र के जमुहरा गांव में शुक्रवार सुबह सड़क हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई। तेज रफ्तार हाईवा ट्रक ने महिला को कुचल दिया, जिसके बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क जाम कर दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने में जुट गई।

मृतका की पहचान जमुहरा निवासी आरती कोल (28) पत्नी सुशील कोल के रूप में हुई है। उनका घर सीतापुर-पन्नी सड़क मार्ग के किनारे स्थित है। शुक्रवार सुबह करीब 9 बजे आरती का छोटा बेटा खेलते हुए अचानक सड़क की ओर चला गया। बच्चे को बचाने के लिए महिला दौड़कर सड़क पर पहुंची, तभी सीतापुर की ओर से गिट्टी लोड कर पन्नी जा रहे एक तेज रफ्तार हाईवा ट्रक ने उन्हें कुचल दिया। हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों ने ट्रक

चालक की लापरवाही का आरोप लगाते हुए सड़क जाम दी गई है।

कर दी। मऊगंज पुलिस को सूचना मिलते ही वह मौके पर पहुंची और हाईवा ट्रक को जब्त कर लिया। एसडीओपी सचि पाठक और थाना प्रभारी रीना सिंह सहित भारी पुलिस बल घटनास्थल पर मौजूद रहा। पुलिस ने ग्रामीणों को समझाइश देकर यातायात बहाल कराने का प्रयास किया। मऊगंज पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले में वैधानिक कार्रवाई शुरू कर

ड्यूटी डॉक्टर बोलीं- पीड़िता को मुझसे पूछकर लाए हैं क्या, तुम्हारे हिसाब से काम थोड़ी करुंगी

जिला अस्पताल में रेप पीड़िता 5 घंटे परेशान

संवाददाता ● छिंदवाड़ा

छिंदवाड़ा में रेप पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए जिला अस्पताल लाने के बाद पुलिस और पीड़िता को करीब 5 घंटे तक इंतजार करना पड़ा। आरोप है कि ड्यूटी पर तैनात महिला डॉक्टर को कई बार सूचना देने के बावजूद वह समय पर अस्पताल नहीं पहुंचीं। इस दौरान पीड़िता अस्पताल में परेशान होती रही।

पीड़िता द्वारा बताए अनुसार पुलिस ने बताया कि महिला बुधवार रात गांव से खेत में बने घर जा रही थी। रास्ते में रिश्ते के चाचा ने उसका रास्ता रोककर झूमाझटकी कर उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया था। गुरुवार सुबह पीड़िता अपने पति के साथ पुलिस के पास पहुंची थी। इसके बाद महिला पुलिस के साथ पौड़िता को एमएलसी के लिए जिला अस्पताल भेजा गया था।

जानकारी के अनुसार, सावरी चौकी पुलिस गुरुवार दोपहर करीब 1:37 बजे पीड़िता को लेकर जिला अस्पताल पहुंची थी। यहां मेडिकल जांच के लिए ड्यूटी डॉक्टर निकिता शेख को सूचना दी गई, लेकिन शाम तक वह अस्पताल नहीं पहुंचीं। इस दौरान पीड़िता और पुलिस स्टाफ अस्पताल में ही परेशान होते रहे।

कई बार कॉल किया पर डॉक्टर नहीं आईं

एएसआई उषा जावरकर ने बताया कि बुधवार को युवती ने दुष्कर्म की शिकायत की थी। पीड़िता को गुरुवार को मेडिकल के लिए छिंदवाड़ा जिला अस्पताल लाया गया था। इसकी जानकारी पहले से दी गई थी लेकिन डॉक्टर को बार बार कॉल करने पर भी वो नहीं आईं। डॉक्टर निकिता शेख 5 घंटे इंतजार करवाने के बाद अस्पताल पहुंची।

फोन पर बोलीं- आपके हिसाब से काम नहीं करुंगी

पुलिस स्टाफ के मुताबिक, डॉक्टर को कई बार फोन कर स्थिति बताई गई। आरोप है कि बातचीत के दौरान डॉक्टर ने यह तक कह दिया कि "क्या पीड़िता को मुझसे पूछकर लाए हैं" और "तुम्हारे हिसाब से काम थोड़ी करूंगी।" मामले को लेकर सीनियर डॉक्टरों को भी जानकारी दी गई, लेकिन इसके बाद भी तत्काल समाधान नहीं निकल सका। करीब 5 घंटे इंतजार के बाद शाम 6:20 बजे डॉक्टर अस्पताल पहुंचीं। हालांकि उसी समय अस्पताल की बिजली गुल हो गई, जिसके चलते जांच प्रक्रिया में और देरी हुई। पीड़िता के साथ लावाघोघरी थाने की ASI उषा जावरकर भी स्टाफ के साथ मौजूद थीं। बताया जा रहा है कि पीड़िता 40 किलोमीटर दूर से अस्पताल लाई गई थी।

मिशन दाना-पानी बना मानवीय संवेदना की मिसाल

भीषण गर्मी में विद्यार्थियों ने पक्षियों के लिए बढ़ाया मदद का हाथ

पीजी कॉलेज की पहल से शहर में जागरूकता की लहर

खरगोन ● संवाददाता

भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते तापमान के बीच जब आमजन के साथ-साथ पक्षी भी पानी और भोजन के लिए जूझ रहे हैं, ऐसे समय में पीजी कॉलेज द्वारा संचालित "मिशन दाना-पानी" अभियान मानवीय संवेदनशीलता, करुणा और पर्यावरण संरक्षण की प्रेरक मिसाल बनकर सामने आया है। इस अभियान के माध्यम से कॉलेज के विद्यार्थियों ने पक्षियों के संरक्षण के लिए समाज को जागरूक करने का सराहनीय प्रयास किया है।

कॉलेज के प्राचार्य डॉ. जी.एस. चौहान ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का बोध कराना भी इसका महत्वपूर्ण उद्देश्य है। पक्षियों के संरक्षण के लिए विद्यार्थियों द्वारा किया गया यह प्रयास न केवल अनुकरणीय है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत भी है। अभियान का मार्गदर्शन कर रहीं काउंसलिंग साइकोलॉजिस्ट डॉ. प्रियंका दुबे के निर्देशन में मनोविज्ञान विभाग के विद्यार्थियों ने शहर के फल-सब्जी विक्रेताओं, ठेला संचालकों तथा आम नागरिकों से संपर्क कर उन्हें पक्षियों के लिए दाना-पानी रखने के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थियों ने अपील की कि लोग अपने घरों, दुकानों, छतों और आसपास दाना-पानी के पात्र अवश्य रखें, जिससे भीषण गर्मी में पक्षियों को राहत मिल सके। उल्लेखनीय है कि कॉलेज द्वारा पूर्व में भी लगभग 1000 से अधिक दाना-पानी पात्र शहर के विभिन्न स्थानों पर लगाए जा चुके हैं। धार्मिक स्थल ज्योतेश्वर मंदिर, पार्कों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर नियमित रूप से दाना-पानी की व्यवस्था की जा रही है। विद्यार्थी समय-समय पर इन पात्रों में पानी एवं दाना भरकर सेवा कार्य भी कर रहे हैं। डॉ. प्रियंका दुबे ने कहा कि "भीषण गर्मी में रखा गया एक छोटा सा पानी का पात्र भी किसी पक्षी के लिए जीवनदान बन सकता है। यदि हर व्यक्ति अपने घर के बाहर दाना-पानी रखे, तो हजारों परिंदों को राहत मिल सकती है।" अब यह अभियान केवल कॉलेज तक सीमित न रहकर शहरवासियों की सहभागिता से एक जनआंदोलन का रूप ले रहा है, जिसमें अनेक नागरिक पक्षियों के संरक्षण और सेवा में अपनी भागीदारी निभा रहे हैं। "मिशन दाना-पानी" — एक छोटा प्रयास, हजारों परिंदों के जीवन का आधार। इस अवसर पर डॉ. वंदना बर्वे, डॉ. गणेश पाटिल, प्रो. मनोज भार्वे सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे और अभियान को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई।

कृष्ण की नटखट लीलाओं ने मोहा पंडाल, ग्वाल-बाल संग मची धूम

पांचवें दिन माखन चोरी से गोवर्धन पूजा तक, भक्ति में डूबे श्रद्धालु

संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा में उमड़ा श्रद्धा और आनंद का सागर

खरगोन ● रविन्द्र परमार

ग्राम आकावल्या स्थित पाटीदार धर्मशाला में आयोजित संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के पांचवें दिन भगवान श्री कृष्ण की बाल एवं किशोर लीलाओं का भावपूर्ण मंचन हुआ। नटखट कन्हैया की माखन चोरी, ग्वाल-बालों संग क्रीड़ाएं, यशोदा मैया की ममता और गोवर्धन पर्वत उठाने की लीला ने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। कृष्णा संग ग्वालों की टोली के दृश्य पर पंडाल तालियों और जयकारों से गूंज उठा। गोवर्धन पूजा के प्रसंग में श्रद्धालुओं ने विधिवत पूजन कर धर्म लाभ अर्जित किया। इस अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण को छप्पन (56) प्रकार के भोग अर्पित किए गए, जिसे देख श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह और श्रद्धा का भाव देखने को मिला। मधुर भजनों के साथ प्रस्तुत लीलाओं ने पूरे वातावरण को वृंदावनमय बना दिया।

कथा का वाचन शिवकोठी, ओंकारेश्वर से पधारे कथा वाचक पंडित शैलेन्द्र जी शास्त्री द्वारा किया जा रहा है। उनकी ओजस्वी वाणी, संगीतात्मक प्रस्तुति और प्रभावशाली प्रसंगों के कारण श्रोताओं से भरा पंडाल निरंतर आनंद में झूमता रहा। ग्राम आकावल्या सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा श्रवण हेतु पहुंचे। कथा आयोजन के आयोजक प्रेमचंद पाटीदार, अभिषेक पाटीदार एवं अंकित (गौरव) पाटीदार ने श्रद्धालुओं से अधिकाधिक संख्या में सहभागी बनकर भागवत कथा का पुण्य लाभ लेने का आह्वान किया है। राबड़िया परिवार एवं समस्त ग्रामवासियों द्वारा अतिथियों के स्वागत एवं व्यवस्थाओं में सक्रिय सहयोग प्रदान किया जा रहा है। आयोजन समिति ने सभी श्रद्धालुओं से सपरिवार पधारकर इस दिव्य अवसर का लाभ लेने की अपील की है।

जिला अस्पताल में ट्रांसफार्मर में आग, आईसीयू मरीजों की बढ़ी मुश्किलें

खरगोन ● संवाददाता

जिला अस्पताल परिसर में शुक्रवार को एक बड़ा हादसा हो गया। विद्युत मंडल द्वारा मेंटेनेंस के नाम पर किए जा रहे काम के दौरान अस्पताल परिसर में लगे ट्रांसफार्मर में अचानक आग लग गई। शॉर्ट सर्किट के बाद भड़की आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया। ट्रांसफार्मर में भरे तेल के कारण लपटें और काला धुआं दूर तक दिखाई दे रहा था।

आग लगने से अस्पताल की बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई। इसका सबसे ज्यादा असर आईसीयू वार्ड में भर्ती गंभीर मरीजों पर पड़ा। वेंटिलेटर, मॉनिटर और ऑक्सीजन सपोर्ट जैसे जीवन रक्षक उपकरण बंद होने का खतरा पैदा हो गया। धुआं वार्डों तक पहुंचने से मरीजों और परिजनों को सांस लेने में परेशानी हुई। हालात बिगड़ते देख अस्पताल प्रशासन ने तुरंत जनरेटर चालू कर बिजली बहाल की। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और बिजली विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। परिजनों ने विद्युत मंडल की लापरवाही को हादसे की वजह बताया है। उनका कहना है कि अस्पताल जैसे संवेदनशील स्थान पर बिना सुरक्षा इंतजामों के काम किया जा रहा था। एसडीएम और सीएमएचओ ने मौके पर पहुंचकर स्थिति देखी और जांच के निर्देश दिए हैं। इस घटना ने अस्पताल की आपात व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

दो दिवसीय जिला प्रशिक्षण वर्ग में 12 सत्रों में प्रदेश के वरिष्ठ वक्ता करेंगे कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन

आज भाजपा की प्रदर्शनी के साथ होगी दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग की शुरुआत

12 सत्रों में प्रदेश के वरिष्ठ वक्ता करेंगे कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन

खरगोन ● रविन्द्र परमार

भारतीय जनता पार्टी का दो दिवसीय जिला प्रशिक्षण वर्ग रविवार से राधा रिसोर्ट में होगा। पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 के तहत होने वाले इस प्रशिक्षण की औपचारिक शुरुआत शनिवार प्रदर्शनी शुभारंभ के साथ होगी। शाम 4 बजे प्रदेश उपाध्यक्ष एवं निमाड़ संभाग प्रभारी सुरेंद्र शर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष नंदा ब्राह्मणे, सांसद गजेंद्र पटेल, खंडवा सांसद ज्ञानेश्वर पाटील, खरगोन विधायक बालकृष्ण पाटीदार, महेश्वर विधायक राजकुमार मेव, बड़वाह विधायक सचिन बिरला, वर्ग प्रभारी एवं भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश महामंत्री मनोज लधवे सहित अन्य पदाधिकारी प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे।

जिलाध्यक्ष ब्राह्मणे कहा कि यह प्रशिक्षण वर्ग कार्यकर्ताओं के वैचारिक और संगठनात्मक विकास का महत्वपूर्ण माध्यम साबित होगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे सेवा, सुशासन और राष्ट्रहित की भावना के साथ इस प्रशिक्षण में शामिल होकर वक्ताओं द्वारा दिए जाने वाले मार्गदर्शन को धैर्य के साथ सूने और इसे अपने-अपने क्षेत्र तक पहुंचाए, जिससे जमीनी स्तर तक संगठन के विचार, कार्ययोजना पहुंचे।

जिला कार्यालय प्रभारी शालिनी रतोरिया, जिला कार्यालय मंत्री विजय पटेल ने बताया पंडित दिनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण निमित्त लगाई गई प्रदर्शनी में केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और जिला स्तर पर हुए विकास कार्यों को प्रदर्शित किया जाएगा। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी कांतिलाल कर्मा ने प्रशिक्षण को लेकर व्यापक स्तर पर तैयारियां की गई है। लगातार बैठकें लेकर व्यवस्थाओं को अंतिम रुप दिया गया। 17 एवं 18 मई को जिला प्रशिक्षण वर्ग पूर्ण रुप से आवासीय होगा। कार्यकर्ताओं का आवास एवं भोजन व्यवस्था प्रशिक्षण स्थल पर ही रहेगी। दो दिवसीय प्रशिक्षण में विभिन्न विषयों पर 12 सत्रों में आमंत्रित वक्ता वैचारिक प्रशिक्षण देंगे। इस प्रशिक्षण में केवल अपेक्षित कार्यकर्ता आमंत्रित किए गए है।

सनावद पुलिस ने पेश की ईमानदारी की मिसाल, लाखों रुपये के सोने के आभूषण सुरक्षित लौटाए

बैग में मिले सोने के आभूषण एवं दस्तावेजों के आधार पर पुलिस ने लगाया मालिक का पता

पुलिस ने करीब 3.5 से 4 लाख रुपये कीमत के आभूषण सुरक्षित सुपुर्द किए

सनावद ● संवाददाता

थाना सनावद पुलिस को भ्रमण के दौरान त्रिकोण क्षेत्र के पास एक सुनसान स्थान पर संदिग्ध अवस्था में रखा एक बैग मिला । पुलिस टीम द्वारा बैग को खोलकर चेक करने पर उसमें उपचार संबंधी मेडिकल फाइल व सोने के आभूषण जिसमें एक गले का हार, एक अंगूठी एवं चार कान की बालियां जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 3.5 से 4 लाख रुपये थी ।

पुलिस टीम के द्वारा थाना प्रभारी सनावद धर्मेन्द्र यादव को उक्त घटनाक्रम की सूचना दी गई व पुलिस टीम के द्वारा उपचार संबंधी मेडिकल फाइल के आधार पर बैग के वास्तविक मालिक का पता लगाया गया । जांच उपरांत पाया गया कि उक्त बैग रामचन्द्र आदिवाल का है

वर्षों पुराने जर्जर पोलों पर टिकी बिजली लाइनें कई पुराने पोल झूलती मौत हादसों को खुला न्यौता

गर्मी में चरमराई बिजली व्यवस्था, करोड़ों खर्च फिर भी पुराने पोलों पर टिकी जानलेवा लाइनें

खरगोन ● रविन्द्र परमार

शहर में बढ़ती गर्मी के साथ बिजली व्यवस्था पूरी तरह लड़खड़ाने लगी है। जगह-जगह फ्यूज कटआउट का समय पर मेंटेनेंस नहीं होने से ट्रांसफार्मर जलने और बार-बार ट्रिपिंग की समस्या लगातार बढ़ रही है। उपभोक्ताओं को घंटों बिजली कटौती झेलनी पड़ रही है, वहीं अब आगामी हवा-आंधी और बारिश के मौसम को देखते हुए स्थिति और विकराल होने की आशंका जताई जा रही है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि शहर में पिछले 6 से 7 वर्षों में करोड़ों रुपए खर्च कर नए बिजली पोल तो लगा दिए गए, लेकिन आज तक पुराने पोलों से विद्युत लाइनों की शिफ्टिंग नहीं की गई। हालत यह है कि नए पोल केवल शोपीस बनकर खड़े हैं, जबकि वर्षों पुराने जर्जर पोलों पर ही बिजली लाइनें टिकी हुई हैं। कई पुराने पोल झुकी अवस्था में हैं और हादसों को खुला न्यौता दे रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि हर वर्ष आंधी और बारिश के दौरान इन्हीं पुराने पोलों और कमजोर लाइनों के कारण घंटों बिजली बंद रहती है। कई क्षेत्रों में स्पार्किंग और तार टूटने की घटनाएं भी सामने आती रही हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग स्थायी समाधान करने के बजाय केवल अस्थायी सुधार में जुटा रहता है। करोड़ों रुपए मेंटेनेंस पर खर्च होने के बावजूद यदि नई लाइन शिफ्टिंग तक पूरी नहीं हो पा रही, तो यह विद्युत मंडल की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। जनता अब जवाब और स्थायी समाधान दोनों मांग रही है।

नीट परीक्षा पेपर लिक मामले में आज कांग्रेस निकालेगी मशाल रैली, मृत परीक्षा सिस्टम को देगी श्रद्धांजलि

खरगोन ● संवाददाता

नीट परीक्षा पेपर लीक मामले को लेकर जिला कांग्रेस के नेतृत्व में कांग्रेस , एन एस यू आई, युवक कांग्रेस महिला कांग्रेस के साथी राधावल्लभ मार्केट खरगोन से श्रीकृष्ण चौराहे तक मशाल जुलूस निकाल कर देश में मृत हो चुके परीक्षा सिस्टम को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। उक्त जानकारी देते हुए जिला कांग्रेस प्रवक्ता राजेश मंडलोई ने बताया कि देश में बार बार परीक्षा निरस्त होने से, पेपर लिक होने से बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। जीससे बच्चों और उनके अभिभावकों पर बहुत बुरा असर पड़ रहा है। इसी को लेकर आज कांग्रेस पार्टी जिला कांग्रेस अध्यक्ष के नेतृत्व में मशाल रैली निकालकर मृत परीक्षा सिस्टम को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगी।

संपादकीय

36 करोड़ मतदाताओं का महासत्यापन चुनाव आयोग के लिए चुनौती

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव हाल ही में खत्म हुए हैं। इसके तुरंत बाद भारत निर्वाचन आयोग ने 16 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों के लगभग 36 करोड़ मतदाताओं के सत्यापन के लिए एसआईआर की अधिसूचना जारी कर दी है। अभी तक चुनाव आयोग ने दो चरणों में 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 59 करोड़ मतदाताओं का सत्यापन का काम किया है। इसमें अभी तक 5.50 करोड़ मतदाताओं के नाम सूची से हटाये गये हैं। इसको लेकर लगातार विवाद देखने में मिलते रहे हैं। मामला सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है, अभी तक इस पर सुप्रीम कोर्ट से कोई निर्णय नहीं आया है। चुनाव आयोग जो एसआईआर करा रहा है, उसका अधिकार उसे है या नहीं, अभी यह मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले से इसकी सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में चल रही है। इसी बीच बिहार सहित पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव भी हुए हैं, जिनमें पश्चिम बंगाल भी शामिल था। पश्चिम बंगाल में एसआईआर को लेकर तीव्र प्रतिक्रिया हुई है। चुनाव आयोग ने यहां के लिए जो नियम बनाए थे, वह बिहार एवं अन्य राज्यों के नियमों से अलग थे। पश्चिम बंगाल में करीब 1 करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। करीब 63 लाख मतदाताओं के नाम 2003 की मतदाता सूची में होते हुए भी स्पेलिंग या अन्य कारणों से हटाए गए थे। इसमें से करीब 28000 मतदाताओं ने ट्रिब्यूनल में अपील भी की है। उन मतदाताओं को मतदान में भाग नहीं लेने दिया गया। पिछले तीन माह में एसआईआर को लेकर राजनीतिक दलों और उन नागरिकों के बीच में तीव्र प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। जिनके नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं, उनका अधिकार छीन लिया गया है।

प. बंगाल में एसआईआर के बाद ममता सरकार बुरी तरह से पराजित हुई है। जितने नाम एसआईआर में हटाये गए, उससे कम मतों से टीएमसी के उम्मीदवार पराजित हुए हैं। यह विवाद चल रहा था, इस बीच रही-सही कसर बिहार और पश्चिम बंगाल की सरकार ने जलती हुई आग में घी डालने का काम किया है। जिन मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं, उन्हें नागरिक नहीं माना जाएगा। जो मतदाता सूची में नहीं है, उन्हें सरकारी स्तर पर जो सुविधाएं मिल रहीं थीं, वह आगे नहीं मिलेंगी। इसी बीच चुनाव आयोग द्वारा 36 करोड़ मतदाताओं को एसआईआर के दायरे में लाने की अधिसूचना जारी कर दी गई है। इसे आसानी से स्वीकार किया जाएगा, इसमें संदेह है। सुप्रीम कोर्ट से अभी तक चुनाव आयोग को एसआईआर को लेकर एक तरह का संरक्षण मिलता रहा है। अब जिस तरह से प्रतिक्रिया हो रही है, उससे चुनाव आयोग की चुनौतियां भविष्य में बढ़ती हुई दिख रही हैं। सुप्रीम में जो सुनवाई चल रही है, उसमें न्यायपालिका के ऊपर याचिकाकर्ताओं का दबाव बनना शुरू हो गया है। ऐसी स्थिति में चुनाव आयोग एसआईआर का काम करा पाएगा या नहीं, इसमें संदेह है। विपक्ष इस मामले में जिस तरह से एकजुट हुआ है। महंगाई और बेरोजगारी का असर अब आम जनता को सीधे प्रभावित कर रहा है। यह मामला अब केवल चुनाव आयोग तक सीमित नहीं रह गया है। इसे नागरिक अधिकार से भी जोड़कर देखा जाने लगा है। नागरिकता तय करने का अधिकार चुनाव आयोग के पास नहीं है। यह अधिकार भारत सरकार के गृह मंत्रालय के पास है। ऐसी स्थिति में चुनाव आयोग मतदाता को भारतीय नागरिक है, या नहीं, इस आधार पर मतदाताओं के नाम कैसे काट सकता है। जिस तरह से पश्चिम बंगाल और बिहार सरकार ने राज्य सरकार की सुविधायें बंद करने और नागरिक नहीं मानने की बात कहना शुरू कर दी है, इसके बाद सुप्रीम कोर्ट पर इस मामले में निर्णय देने का दबाव बनेगा। चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर विपक्षी दलों को विश्वास नहीं है। चुनाव आयोग के ऊपर लगातार आरोप लग रहे हैं। वह सरकार के इशारे पर भाजपा को मदद कर रहा है। चुनाव आयोग के खिलाफ संसद में महाभियोग पेश हो चुका है। जिस कानून के तहत चुनाव आयुक्त की नियुक्ति हुई है, सुप्रीम कोर्ट में उसे चुनौती देते हुए याचिका लगाई गई, जिस पर सुनवाई चल रही है। अगले साल कुछ राज्यों में चुनाव होने हैं। 2029 में लोकसभा चुनाव होंगे। यह बात अब स्पष्ट रूप से समझ आने लगी है। 2029 के लोकसभा चुनाव के पहले केंद्र सरकार के इशारे पर मतदाता सूची के शुद्धिकरण के नाम पर एक विशेष वर्ग के नाम मतदाता सूची से काटने की जो मुहिम चुनाव आयोग ने चला रखी है।

दवा नहीं, जहर का कारोबार भारत की साख पर संकट

लेखक - ललित गर्ग

पिछले दिनों सामने आई खबरों ने पूरे देश को चिंता और बेचैनी में डाल दिया कि जीवनरक्षक और सामान्य उपयोग की अनेक दवाइयां गुणवत्ता के मानकों पर खरी नहीं उतरीं। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन द्वारा जारी ड्रग अलर्ट में जिन दवाओं के नमूने फेल पाए गए, उनमें हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मिर्गी, संक्रमण, विटामिन सप्लीमेंट और कफ सिरप जैसी आम उपयोग की दवाएं भी शामिल थीं। यह कोई सामान्य प्रशासनिक त्रुटि नहीं, बल्कि मानव जीवन के साथ किया जा रहा ऐसा खतरनाक खिलवाड़ है, जिसने देश की स्वास्थ्य सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। जिस दवा को रोगी जीवन बचाने की आशा में खरीदता है, वही यदि उसके शरीर में जहर का काम करने लगे तो यह केवल चिकित्सा व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं के पतन की पराकाष्ठा है। विडंबना यह है कि दवाओं के निर्माण और वितरण के लिए देश में कठोर नियम, निरीक्षण और परीक्षण की व्यवस्थाएं मौजूद हैं। कच्चे माल की गुणवत्ता से लेकर उत्पादन प्रक्रिया तक कई स्तरों पर जांच होती है, फिर भी बड़ी-बड़ी नामी कंपनियों की दवाइयां यदि अमानक पाई जाती हैं तो यह साफ संकेत है कि कहीं-न-कहीं मुनाफे की अंधी दौड़ ने नैतिकता और मानवता को कुचल दिया है। यह केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि मानवता के विरुद्ध अपराध है। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि जिन लोगों पर समाज की जिंदगी बचाने की जिम्मेदारी है, वही लोग अपने स्वार्थ के लिए लोगों की जिंदगी दांव पर लगा रहे हैं।

विडंबना यह है कि दवाओं के निर्माण और वितरण के लिए देश में कठोर नियम, निरीक्षण और परीक्षण की व्यवस्थाएं मौजूद हैं। कच्चे माल की गुणवत्ता से लेकर उत्पादन प्रक्रिया तक कई स्तरों पर जांच होती है, फिर भी बड़ी-बड़ी नामी कंपनियों की दवाइयां यदि अमानक पाई जाती हैं तो यह साफ संकेत है कि कहीं-न-कहीं मुनाफे की अंधी दौड़ ने नैतिकता और मानवता को कुचल दिया है। यह केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि मानवता के विरुद्ध अपराध है।

भारत आज दुनिया की सबसे बड़ी दवा उत्पादन शक्तियों में शामिल है। भारतीय दवाइयां अमेरिका, यूरोप, अफ्रीका, एशिया और मध्य-पूर्व के अनेक देशों में निर्यात होती हैं। भारत को "फार्मेसी ऑफ द वर्ल्ड" कहा जाता है क्योंकि सस्ती और प्रभावी दवाओं की आपूर्ति में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। कोरोना महामारी के दौरान भारत ने वैक्सीन और आवश्यक दवाइयों की आपूर्ति कर पूरी दुनिया में अपनी विश्वसनीयता और मानवीय प्रतिबद्धता का परिचय दिया था। जिन राज्यों में उत्पादित घटिया दवाओं का खुलासा हुआ, उनमें हिमाचल प्रदेश पहले पायदान पर रहा, फिर उत्तराखंड, गुजरात, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, केरल, पुडुचेरी, तेलंगाना, सिक्किम, झारखंड, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश, ओडिशा आदि राज्य शामिल हैं। यानी एक-दो राज्य नहीं, तमाम राज्यों के दवा उत्पादक इस अपवित्र कर्म में शामिल हैं। यूं कहें कि दाल में काला नहीं है बल्कि पूरी दाल काली है। विडंबना देखिए कि कफ सिरप के 17 नमूने फेल हुए हैं। अब यह साफ हो गया कि अफ्रीका व सेंट्रल एशिया के कुछ देशों तथा भारत के कुछ राज्यों में कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत के जो आरोप भारतीय दवा कंपनियों पर लगे थे, वे गलत नहीं थे, जिससे पूरी दुनिया में भारतीय दवा उद्योग की छवि खराब हुई।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारत की प्रतिष्ठा को धक्का लगता है और दुनिया भारतीय दवा उद्योग को संदेह की दृष्टि से देखने लगती है। यह स्थिति ऐसे समय में सामने आ रही है जब भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत 2047 तक स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने पर विकसित भारत का सपना साकार करने की दिशा में अनेक नए आयाम स्थापित कर रहा है। भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधारों के माध्यम से देश वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है। भारत को विश्वगुरु बनाने का सपना केवल आर्थिक विकास से नहीं, बल्कि नैतिकता, गुणवत्ता और विश्वसनीयता से भी जुड़ा हुआ है। यदि जीवनरक्षक दवाओं में ही मिलावट और घटियापन सामने आएगा, तो यह सारे सकारात्मक प्रयासों पर धब्बा लगाने जैसा होगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकार दवा नियंत्रण व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाए। केवल औपचारिक निरीक्षण और समय-समय पर जारी होने वाले ड्रग अलर्ट पर्याप्त नहीं हैं। दवा निर्माण इकाइयों की नियमित और पारदर्शी जांच होनी चाहिए। जिन कंपनियों की दवाएं बार-बार मानकों पर फेल होती हैं, उनके लाइसेंस तुरंत रद्द किए जाएं और उनके खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई हो। दवा माफिया और नकली दवा बनाने वाले गिरोहों के खिलाफ विशेष अभियान चलाए जाने चाहिए। यह भी जरूरी है कि दोषियों को केवल आर्थिक जुर्माने तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उन्हें कठोर कारावास की सजा दी जाए ताकि दूसरों के लिए भी कड़ा संदेश जाए। यह भी एक गंभीर चिंता का विषय है कि कई बार राज्य सरकारें और नियामक एजेंसियां प्रभावशाली दवा कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई करने से बचती दिखाई देती हैं। धनबल और प्रभाव के कारण जांच प्रक्रियाएं धीमी पड़ जाती हैं और अंततः आम जनता ही इसकी कीमत चुकाती है। यह स्थिति लोकतांत्रिक शासन और प्रशासनिक जवाबदेही दोनों के लिए खतरनाक है।

रोगी इस उम्मीद में दवा लेते हैं कि इससे उनकी बीमारी ठीक होगी। लेकिन यह पता लगे कि जिन दवाइयों का वे सेवन कर रहे हैं वे दवा नहीं बल्कि जहर के रूप में बाजार में आ गई हैं तो क्या बीतेगी? हिंदुस्तान में आज लाखों लोगों को ये दवाएं जीवन-रक्षा नहीं दे रही है बल्कि मार रही है, इंसान का लोभ एवं लालच इंसान को मार रहा है। ऐसे स्वार्थी लोगों एवं जीवन से खिलवाड़ करने वालों को राक्षस, असुर या दैत्य कहा गया है जो समाज एवं राष्ट्र में तरह-तरह से स्वास्थ्य सुरक्षा के नाम पर मौत बांट रहे हैं। अमानक एवं गुणवत्ता में दोषपूर्ण पाई गई इन दवाओं में कई नामी कंपनियों की दवाएं भी शामिल हैं। दवा उद्योग केवल व्यापार नहीं है, यह विश्वास का उद्योग है। यहां नैतिकता का महत्व सबसे अधिक होना चाहिए। लेकिन दुर्भाग्य से आज लालच और मुनाफाखोरी ने इस क्षेत्र में भी गहरी जड़ें जमा ली हैं। नकली इंजेक्शन, मिलावटी दवाएं, एक्सपायरी दवाओं की री-पैकेजिंग और घटिया कच्चे माल के उपयोग जैसी घटनाएं यह साबित करती हैं कि समाज में संवेदनाओं का स्रोत सूखता जा रहा है। इंसान केवल अपने लाभ के लिए दूसरों की जिंदगी से खेलने को तैयार हो गया है। यह केवल कानून का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक पतन का भी संकेत है। आवश्यकता इस बात की भी है कि आम जनता को दवाओं के प्रति जागरूक बनाया जाए। दवा खरीदते समय बिल लेना, पैकेजिंग और निर्माण तिथि की जांच करना, संदिग्ध दवाओं की शिकायत संबंधित विभागों को करना और बिना चिकित्सकीय सलाह के दवाओं का सेवन न करना, ये सब छोटे लेकिन महत्वपूर्ण कदम हैं। मेडिकल स्टोरों की भी नियमित निगरानी होनी चाहिए ताकि नकली या घटिया दवाओं की बिक्री रोकी जा सके।

दवाओं की गुणवत्ता से खिलवाड़ दवा निर्माता कम्पनियों का एक घिनौना, क्रूर एवं अमानवीय चेहरा ही है जो मनुष्य के स्वास्थ्य को चैपट कर रहे हैं। एक तो बीमारियों का कोई कारगर इलाज नहीं है, दूसरा इन बीमारी में काम आने वाली तमाम जरूरी दवाइयां लालची लोगों ने अमानक एवं दोषपूर्ण कर दी हैं। बढ़ती बीमारियां इन राक्षसों के कारण ही बेकाबू हो रही है। सरकारें इन त्रासद स्थितियों एवं बीमारी पर नियंत्रण पाने में नाकाम साबित हुई है। देश के लाखों लोग कातर निगाहों से शासन-प्रशासन की ओर देख रहे हैं कि कोई तो राह निकले। भारत आज एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। एक ओर देश नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है, दूसरी ओर ऐसी त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण घटनाएं हमारी नैतिक और प्रशासनिक कमजोरी को उजागर कर रही हैं। यदि हम सचमुच विकसित और विश्वसनीय भारत बनाना चाहते हैं, तो हमें केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि गुणवत्ता, ईमानदारी और मानवीय मूल्यों को भी सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। जीवनरक्षक दवाओं में मिलावट केवल स्वास्थ्य का संकट नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा पर लगा कलंक है। यह समय आत्ममंथन का है। सरकार, दवा उद्योग, चिकित्सा जगत और समाज-सभी को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि दवा जीवन बचाने का माध्यम बने, मौत का व्यापार नहीं। तभी विकसित भारत का सपना वास्तविक अर्थों में सार्थक हो सकेगा।

आध्यात्मिकता, सर्वधर्म समभाव और मानव चेतना का वैश्विक केंद्र

लेखिका- किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर पृथ्वी की इस अनंत और रहस्यमयी धरा पर यदि किसी देश को आध्यात्मिक चेतना,सर्वधर्म समभाव,मानव कल्याण और परमार्थ का जीवंत प्रतीक कहा जाए, तो वह निस्संदेह भारत है।

यह वही भूमि है जहाँ ऋषियों ने तप किया, जहाँ वेदों की ऋचाएँ गूँजीं, जहाँ बुद्ध ने करुणा का संदेश दिया,जहाँ महावीर ने अहिंसा को धर्म का सर्वोच्च स्वरूप बताया, जहाँ संत कबीर ने मानवता को जाति- पंथ से ऊपर रखा और जहाँ गुरु परंपरा ने आत्मा को परमात्मा से जोड़ने का मार्ग प्रशस्त किया। भारत केवल एक भौगोलिक राष्ट्र नहीं, बल्कि चेतना, अनुभूति और आत्मज्ञान की वह ऊर्जा है जिसने सदियों से विश्व को आध्यात्मिक प्रकाश प्रदान किया है। आधुनिक विज्ञान आज मानव मस्तिष्क की क्षमताओं पर शोध कर रहा है,किंतु भारतीय अध्यात्म हजारों वर्षों पूर्व यह बता चुका था कि मनुष्य की सबसे बड़ी शक्ति बाहरी संसार में नहीं, बल्कि उसके भीतर स्थित चेतना में निहित है।

भारतीय ध्यान परंपरा कहती है कि यदि व्यक्ति कुछ समय मन और हृदयपूर्वक ध्यान में बैठे,तो उसका मस्तिष्क तंत्र अत्यंत सक्रिय और संतुलित हो सकता है। ध्यान केवल आँखें बंद करना नहीं, बल्कि अपने भीतर उतरने की वह प्रक्रिया है जिसमें व्यक्ति स्वयं को समझना प्रारंभ करता है। यही कारण है कि आज विश्व के बड़े-बड़े कॉर्पोरेट संस्थान,वैज्ञानिक और चिकित्सक भी मेडिटेशन और योग को मानसिक स्वास्थ्य तथा कार्यक्षमता के लिए आवश्यक मानने लगे हैं। योग और ध्यान की भारतीय परंपरा आज वैश्विक जीवनशैली का हिस्सा बन चुकी है।आध्यात्मिकता का सबसे सुंदर पक्ष यह है कि वह मनुष्य को जोड़ती है,तोड़ती नहीं। प्रकृति स्वयं हमें यह शिक्षा देती है। यदि किसी झुंड से एक प्राणी को दूर ले जाकर कहीं और छोड़ दिया जाए, तो वह अंततः वहीं पहुँचने का प्रयास करेगा जहाँ उसके समान विचारों और ऊर्जा वाले प्राणी हों। यह केवल पशु व्यवहार नहीं, बल्कि जीवन का गहन दार्शनिक सत्य है। मनुष्य भी उसी वातावरण में सबसे अधिक विकसित होता है जहाँ प्रेम, सकारात्मकता, सेवा,करुणा और परमार्थ का भाव हो। इसलिए संत-महापुरुष हमेशा सत्संग, संगति और सामूहिक चेतना के महत्व पर बल देते आए हैं। सत्संग शब्द ही अपने भीतर गहरी आध्यात्मिक अनुभूति समेटे हुए है,अर्थात सत्य के साथ संगति। जब व्यक्ति संतों के वचनों, भजनों, ध्यान और सेवा से जुड़ता है, तब उसका मन धीरे-धीरे विकारों से सटीकता से मुक्त होने लगता है।

आध्यात्मिक चेतना का एक अद्भुत केंद्र बन चुका है। यह केवल एक धार्मिक स्थल नहीं,बल्कि वह आध्यात्मिक संगम है जहाँ हजारों-लाखों श्रद्धालु आत्मिक शांति और जीवन की दिशा प्राप्त करने पहुँचते हैं। यहाँ आने वाले लोगों के अनुभव बताते हैं कि जब मनुष्य सच्चे भाव से सतगुरु की शरण में आता है, तब उसके भीतर सकारात्मक परिवर्तन प्रारंभ हो जाते हैं। इस दरबार की विशेषता केवल उसकी भव्यता नहीं, बल्कि वहाँ का परमार्थ भाव, सेवा संस्कृति और प्रेममय वातावरण है।वर्तमान समय में इस परंपरा को आगे बढ़ाने वाले जीवनमुक्त सतगुरु बाबा ईश्वरशाह साहिब जी देश-विदेश में सत्संगों के माध्यम से मानवता को प्रेम, शांति, सेवा और आत्मज्ञान का संदेश दे रहे हैं। उनके सत्संगों में किसी एक धर्म, जाति या वर्ग का नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता का स्वागत होता है। यही भारतीय अध्यात्म का मूल है वसुधैव कुटुम्बकम् अर्थात पूरा विश्व एक परिवार है। जीवन मुक्त बाबा ईश्वरशाह साहिब जी के अमृत वचनों में केवल धार्मिक उपदेश नहीं, बल्कि जीवन को सरल, सकारात्मक और परमार्थमय बनाने की प्रेरणा होती है। उनके सत्संगों में व्यक्ति केवल श्रोता बनकर नहीं बैठता, बल्कि वह अपने भीतर एक नई चेतना का अनुभव करता है।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्थाएँ की गई हैं। नागपुर मुख्य रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक 8 से लेकर विभिन्न बस स्थानकों तक संगतों को सत्संग स्थल और विश्राम स्थलों तक पहुँचाने के लिए वाहनों की व्यवस्था की गई है। यह केवल आयोजन प्रबंधन नहीं, बल्कि भारतीय सेवा संस्कृति का जीवंत उदाहरण है। भारतीय अध्यात्म में अतिथि देवो भव केवल कहावत नहीं,बल्कि जीवन का हिस्सा है। आने वाली संगतों के लिए रहने, विश्राम, सुबह के नाश्ते, दोपहर एवं रात्रि ब्रह्मभोज की समुचित व्यवस्था की गई है। यह व्यवस्था केवल भोजन कराने तक सीमित नहीं, बल्कि प्रेम, समानता और सामूहिकता की अनुभूति कराती है।16 मई 2026 को जीवन मुक्त बाबाजी के नागपुर आगमन के अवसर पर आयोजित होने वाली भव्य शोभायात्रा इस आयोजन का विशेष आकर्षण होगी।शोभायात्रा का प्रारंभ हनुमान मंदिर, हेमू कलानी चौक, जरीपटका से होगा और जरीपटका मुख्य बाजार से होकर गुजरेगी। इस यात्रा में ढोल-ताशों की गूँज, शंखध्वनि की मधुरता और ईश्वर नादम पाठक के सेवादारों की आध्यात्मिक प्रस्तुति वातावरण को भक्तिमय बना देगी। बाल संस्कार के बच्चों द्वारा प्रस्तुत नृत्य और स्केटिंग शो इस बात का प्रतीक होगा कि भारतीय संस्कृति की आध्यात्मिक धारा केवल बुजुर्गों तक सीमित नहीं, बल्कि नई पीढ़ी भी उससे गहराई से जुड़ रही है। जब हजारों श्रद्धालु वर्षों बाद अपने सतगुरु के दर्शन करेंगे, तब वह दृश्य केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भावनाओं, श्रद्धा और आत्मिक प्रेम का महासंगम होगा।

विशेष रूप से यह दर्शाया जाएगा कि किस प्रकार सतगुरु ने एक भगत को माँ गंगा और हर की पौड़ी के दिव्य दर्शन कराए। भारतीय संत परंपरा में ऐसे प्रसंग केवल चमत्कार के रूप में नहीं देखे जाते, बल्कि उन्हें श्रद्धा, विश्वास और गुरु-शिष्य संबंध की आध्यात्मिक अनुभूति के रूप में समझा जाता है। गुरु को भारतीय संस्कृति में इसलिए सर्वोच्च स्थान दिया गया है क्योंकि वह व्यक्ति को अज्ञान से ज्ञान की ओर ले जाता है। गुरु शब्द का अर्थ ही है,अंधकार को दूर करने वाला।

आधुनिक जीवन में जहाँ व्यक्ति मानसिक तनाव, संबंधों की टूटन और आत्मिक रिक्तता से जूझ रहा है, वहाँ ऐसे सत्संग मनुष्य को भीतर से मजबूत बनाने का कार्य करते हैं। संतों का संदेश हमेशा सरल होता है, मनुष्य पहले स्वयं को जाने, अपने भीतर ईश्वर को अनुभव करे और फिर मानवता की सेवा को जीवन का उद्देश्य बनाए।भारतीय अध्यात्म का एक और महान पक्ष ब्रह्मभोज की परंपरा है। सत्संग के पश्चात आयोजित होने वाला हरे माधव ब्रह्मभोज केवल भोजन ग्रहण करने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि समानता, प्रेम और सामूहिक चेतना का प्रतीक है। जब हजारों लोग बिना किसी भेदभाव के एक साथ बैठकर प्रसाद ग्रहण करते हैं, तब वहाँ अमीर-गरीब, जाति-पंथ और ऊँच-नीच की दीवारें स्वतः समाप्त हो जाती हैं। यही सर्वधर्म समभाव का वास्तविक स्वरूप है। भारतीय संस्कृति ने सदियों से यही सिखाया है कि मानवता सबसे बड़ा धर्म है।

आज जब मानवता की मुख्य समस्याओं को समझने की करें तो युद्ध,तनाव,मानसिक अवसाद, अकेलेपन और भौतिक प्रतिस्पर्धा की आग में झुलस रही है, तब भारत की आध्यात्मिक विरासत एक आशा की किरण बनकर उभर रही है। यही कारण है कि दुनिया भर के सैलानी और साधक भारत की यात्रा को केवल पर्यटन नहीं, बल्कि आत्मिक अनुभव मानते हैं। कोई वाराणसी के घाटों पर शांति खोजता है, कोई हर की पौड़ी में आस्था का प्रवाह महसूस करता है, कोई हिमालय की गुफाओं में ध्यान की अनुभूति करता है, तो कोई संतों के सत्संग में बैठकर जीवन का अर्थ खोजता है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि भारत सदियों से यह संदेश देता आया है कि सभी धर्मों का मूल प्रेम, शांति और मानव कल्याण है।चाहे मंदिर की घंटियाँ हों,मस्जिद की अज़ान,गुरुद्वारे का कीर्तन या चर्च की प्रार्थना सभी का उद्देश्य मनुष्य को ईश्वर और मानवता से जोड़ना है। यही कारण है कि भारत को सर्वधर्म समभाव की भूमि कहा जाता है। यह आयोजन एक बार फिर यह सिद्ध करता है कि भारत आज भी विश्व को केवल तकनीक और अर्थव्यवस्था ही नहीं, बल्कि आत्मा की शांति और मानवता की दिशा भी प्रदान कर सकता है।जब हजारों श्रद्धालु एक साथ हरे माधव का जाप करेंगे, तब वह केवल ध्वनि नहीं होगी, बल्कि मानव चेतना को जोड़ने वाली आध्यात्मिक तरंग होगी,जो यह संदेश देगी कि सच्चा सुख बाहर नहीं, बल्कि अपने भीतर और परमार्थमय जीवन में छिपा हुआ है।

हर लड़की खुद को चिरैया से जोड़ रही है : दिव्या दत्ता

अभिनेत्री दिव्या दत्ता अपनी नई वेब सीरीज चिरैया को लेकर खूब वाहवाही बटोर रही हैं। जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होने के बाद से ही, यह सीरीज अपनी शानदार कहानी, सशक्त लेखन और सभी कलाकारों के बेहतरीन अभिनय को लेकर सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त कर रही है।

शशांत शाह द्वारा निर्देशित यह 6-एपिसोड की भावनात्मक और मार्मिक सीरीज मैरिटल रेप और वैवाहिक दुर्व्यवहार जैसे बेहद गंभीर और संवेदनशील सामाजिक मुद्दों पर आधारित है। सीरीज चिरैया को लेकर अभिनेत्री दिव्या दत्ता का मानना है कि यह एक ऐसी सीरीज है, जिससे आज की हर लड़की और महिला अपने आपको गहराई से जोड़ पा रही है, क्योंकि यह समाज के एक कड़वे सच को उजागर करती है। अभिनेत्री ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक पॉडकास्ट का वीडियो साझा किया, जिसमें वे चिरैया को मिल रही प्रतिक्रिया के बारे में बात कर रही थीं। वीडियो में दिव्या कहती हैं, हर कोई चिरैया देख रहा है और उससे प्रभावित हो रहा है। अभी हाल ही में मेरी मुलाकात एक मां से हुई, जिसे चिरैया देखने के बाद अपनी बेटी के ससुराल वालों से बात करने और उनका सामना करने की हिम्मत मिली है। दिव्या दत्ता ने उस महिला का वाकया बताते हुए अपनी बात जारी रखी जहां मैं योगा करने जाती हूं, वहां पर एक महिला मेरे पास आई और बोली कि क्या मैं आपसे कुछ बात कर सकती हूं, तो मैंने सोचा, योगा के बीच में कैसी बातें करें, तो मैंने उसे इंतजार करने के लिए बोला, लेकिन वह इसके लिए तैयार ही नहीं थी। वह मुझसे उसी वक्त बात करना चाहती थी। दिव्या ने आगे बताया कि उस महिला ने मुझसे कहा, मेरी बेटी को उसके ससुराल वालों ने छोड़ दिया है और मेरे अंदर बेटी के ससुराल वालों से बात करने की हिम्मत नहीं थी। फिर एक दिन मैंने चिरैया देखी और मैं उसे देखकर बहुत रोई। उस सीरीज को देखने के बाद मुझे उनका सामना करने और अपनी बेटी के हक के लिए खड़े होने की हिम्मत मिली। दिव्या दत्ता ने उस पल के महत्व को समझते हुए कहा, सीरीज को लेकर हमें इस तरह की प्रतिक्रियाएं सुनने को मिल रही हैं। इसके बाद एहसास होता है कि यही तो है विजुअल मीडिया और एक ऐसी कहानी की ताकत। अगर कहानी को बेहतरीन ढंग से पेश किया जाए, उसमें सच्चाई और ईमानदारी हो, तो लोग उस कहानी से खुद को गहराई से जोड़ते हैं, और यह दृश्य को देखकर बहुत अच्छा लगता है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि समाज में अब इन मुद्दों पर एक नई लहर की शुरुआत हो चुकी है। मुझे कल की ही बात याद आ रही है कि किसी ने कहा था कि आजकल हर घर की यही कहानी है। हर कोई चिरैया देख रहा है।

पिता हमेशा कहा करते थे, लगे रहो बेटे, काम करते रहो : ईशा देओल

बॉलीवुड अभिनेत्री ईशा देओल के लिए हमेशा ही सबसे बड़ी प्रेरणा उनके दिवंगत पिता अभिनेता धर्मेंद्र की सीख और विश्वास रहा है। हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान ईशा ने अपने नए बिजनेस के बारे में बात करते हुए भावुक अंदाज में बताया कि उनके पिता हमेशा उनकी रचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करते थे। अपने सपनों को पूरा करने के लिए आगे बढऩे की हिम्मत देते थे। ईशा ने मुंबई के रियल एस्टेट समूह 'द हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा के साथ मिलकर अलीबाग में लग्जरी विला डिजाइन प्रोजेक्ट की शुरुआत की है। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि वह और उनके पिता घंटों तक अलग-अलग जगहों की बनावट, घरों की संरचना और साधारण स्थानों की खूबसूरती पर चर्चा किया करते थे। उन्होंने कहा कि उनके पिता अक्सर उन्हें एक ही बात कहते थे 'लगे रहो बेटे, करते रहो। ईशा के मुताबिक यही शब्द आज भी उन्हें प्रेरित करते हैं और आगे बढऩे का हौसला देते हैं। उन्होंने कहा कि पिता के विश्वास ने ही उन्हें अपने इस सपने को साकार करने की ताकत दी। अपने नए डिजाइन कारोबार का नाम ईशा ने 'ईशा धर्मेंद्र देओल डिजाइन रखा है। इस नाम के पीछे भी पिता से जुड़ी एक खास भावना है। उनके बिजनेस के लोगो में लालटेन का प्रतीक बनाया गया है, जिसे धर्मेंद्र ने खुद अपने हाथों से तैयार किया था। ईशा ने बताया कि यह लालटेन उनके लिए केवल एक डिजाइन नहीं बल्कि पिता के प्यार और आशीर्वाद की निशानी है। उन्होंने कहा कि वह इस रोशनी को अपने काम के जरिए आगे बढ़ाना चाहती हैं। ईशा ने सोशल मीडिया पर भी अपने इस नए सफर की जानकारी साझा की। उन्होंने लिखा कि वह अपने इस सपने को एक नई पहचान दे रही हैं और यह हमेशा अपने पिता को समर्पित रहेगा। उनकी इस पहल को परिवार का भी पूरा समर्थन मिला। अभिनेता बॉबी देओल ने उनकी पोस्ट साझा करते हुए उन्हें ढेर सारी शुभकामनाएं दीं और विश्वास जताया कि ईशा इस क्षेत्र में भी शानदार काम करेंगी। गौरतलब है

सारा अली खान जुटी पति पत्नी और वो 2 के प्रमोशन में

अपनी आगामी ड्रामा फिल्म 'पति पत्नी और वो 2 को लेकर बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान बेहद उत्साहित हैं। प्रमोशन में जुटी सारा अली खान ने फिल्म में एक अहम किरदार निभा रहीं अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह के 'नीलोफर नामक किरदार को लेकर मजेदार खुलासा किया है। अभिनेत्री का मानना है कि फिल्म का हर एक किरदार अपने आप में खास और महत्वपूर्ण है, मगर उनकी खासी दिलचस्पी अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह के निभाए गए 'नीलोफर के किरदार में थी। बातचीत के दौरान, फिल्म के सह-कलाकार आयुष्मान खुराना ने सबसे पहले यह राज खोला। जब उनसे पूछा गया कि फिल्म में कई मुख्य किरदार होने पर क्या किसी को दूसरे का रोल ज्यादा पसंद आया, तो आयुष्मान ने बताया कि सारा अली खान को रकुल प्रीत सिंह का किरदार बहुत भाया। उन्होंने कहा कि सारा को लगता है कि नीलोफर के डायलॉग सबसे बेहतरीन और प्रभावशाली हैं। इस पर सारा अली खान ने भी अपनी बात रखते हुए रकुल प्रीत सिंह की कॉमिक टाइमिंग और अभिनय की खूब प्रशंसा की। सारा ने कहा, 'मुझे नीलोफर का किरदार बहुत पसंद आया था। फिल्म की स्क्रिप्ट पढ़ते समय ही यह रोल मुझे बेहद आकर्षक लगा। लेकिन अब जब मैंने सामने से देखा कि रकुल ने इसे कैसे निभाया है, तो मुझे लगता है कि उनके लिए यह रोल बिल्कुल परफेक्ट था। रकुल इतनी मजेदार और स्वाभाविक लग रही हैं कि जो हुआ अच्छे के लिए ही हुआ। अगर कोई दूसरी दुनिया होती और मुझे मौका मिलता तो मैं जरूर नीलोफर का किरदार निभाना चाहती। यह टिप्पणी उनके किरदार के प्रति उनके गहरे लगाव और रकुल के प्रदर्शन के प्रति उनके सम्मान को दर्शाती है। इसके साथ ही रकुल प्रीत सिंह ने भी अपने अनुभव साझा किए। आयुष्मान खुराना के साथ पहले भी काम कर चुकीं रकुल ने बताया कि दोस्तों और परिचित सह-कलाकारों के साथ दोबारा काम करना काफी आसान और मजेदार होता है। उन्होंने कहा, इस बार सबसे अलग बात यह रही कि सेट पर बहुत सहजता थी। हमें एक-दूसरे के काम करने के तरीके, हमारी केमिस्ट्री और हमारे अभिनय की शैली के बारे में पहले से पता था। इससे काम करना न केवल आसान हो जाता है, बल्कि यह मस्ती भरा और रचनात्मक रूप से संतोषजनक भी बन जाता है। फिल्म 'पति पत्नी और वो 2 टी-सीरीज और बी.आर. स्टूडियोज के बैनर तले बनी है। यह एक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है जो दर्शकों को हंसाने और सोचने पर मजबूर करने का वादा करती है। यह फिल्म आगामी 15 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

पत्नी सोनिया मेरे जीवन का सबसे अहम हिस्सा : हिमेश रेशमिया

अपनी शादी की सालगिरह के मौके पर मशहूर गायक, संगीतकार और अभिनेता हिमेश रेशमिया ने पत्नी सोनिया कपूर के लिए एक भावुक पोस्ट साझा किया। इस पोस्ट में हिमेश ने पत्नी के प्रति अपने प्यार और सम्मान को बेहद खूबसूरत शब्दों में जाहिर किया। उनकी यह पोस्ट फैंस और मनोरंजन जगत के कई सितारों को काफी पसंद आ रही है। इंस्टाग्राम पर पत्नी सोनिया कपूर के साथ एक तस्वीर साझा करते हुए हिमेश ने लिखा कि उनकी पत्नी उनकी जिंदगी की हर धुन के पीछे की आत्मा हैं। उन्होंने शादी की सालगिरह की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सोनिया उनके जीवन का सबसे अहम हिस्सा हैं। गायक के इस रोमांटिक अंदाज ने सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान खींच लिया और फैंस लगातार इस जोड़ी को शुभकामनाएं दे रहे हैं। पोस्ट पर कई फिल्मी हस्तियों ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी। फिल्म निर्देशक फराह खान ने मजाकिया अंदाज में कमेंट करते हुए लिखा, 'हो जाए, मेजर। वहीं म्यूजिक प्रोड्यूसर अंशुल गर्ग ने हार्ट इमोजी के जरिए अपनी शुभकामनाएं दीं। गायिका अदिति शर्मा ने भी दोनों को शादी की सालगिरह की बधाई दी। गौरतलब है कि हिमेश रेशमिया और सोनिया कपूर ने 11 मई 2018 को पारंपरिक हिंदू रीति-रिवाजों के साथ शादी की थी। यह समारोह मुंबई के अंधेरी स्थित हिमेश के लोखंडवाला वाले घर पर आयोजित किया गया था, जिसमें परिवार और करीबी दोस्त शामिल हुए थे। सोनिया कपूर से शादी हिमेश की दूसरी शादी थी। इससे पहले उनकी शादी कोमल रेशमिया से हुई थी, जिनसे उनका एक बेटा स्वयं है। करीब एक दशक तक साथ रहने के बाद दोनों ने 2017 में अलग होने का फैसला लिया था। हिमेश रेशमिया बॉलीवुड के उन संगीतकारों में गिने जाते हैं जिन्होंने अपने अलग अंदाज और आवाज से संगीत जगत में खास पहचान बनाई। उन्होंने अब तक 1300 से ज्यादा गानों में संगीत दिया है और कई सुपरहिट गीतों को अपनी आवाज भी दी है। संगीत के अलावा उन्होंने अभिनय की दुनिया में भी कदम रखा था। साल 2007 में फिल्म आपका सुरूर से उन्होंने अभिनेता के रूप में शुरुआत की थी। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी। इसके बाद उन्होंने कर्ज, रेडियो और द एक्सपोज जैसी फिल्मों में काम किया।

ऋतिक रोशन ने सांझा की खूबसूरत पारिवारिक तस्वीर

सोशल मीडिया पर बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन ने एक खूबसूरत पारिवारिक तस्वीर साझा की, जिसने फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। इस तस्वीर में ऋतिक के पिता राकेश रोशन, मां पिंकी रोशन, बहन सुनैना रोशन और सबा आजाद एक साथ नजर आए। फ्रांस की प्राकृतिक सुंदरता के बीच खींची गई इस तस्वीर में पूरा रोशन परिवार एक बड़े पेड़ के नीचे मुस्कुराते हुए पोज देता दिखाई दिया। ऋतिक ने तस्वीर के साथ दिलचस्प कैप्शन भी लिखा। उन्होंने बताया कि उन्हें फ्रांस में एक ऐसा पेड़ मिला जिसका नाम 'ओंब्रे दे मेमन है, जिसका अर्थ 'मां की छाया होता है। अभिनेता ने मदर्स डे की शुभकामनाएं देते हुए लिखा कि वह उस छाया, ताकत और प्यार को सलाम करते हैं, जो हमेशा परिवार के साथ बना रहता है। ऋतिक ने अपने पोस्ट में हल्का-फुल्का मजाक भी किया। उन्होंने लिखा कि फ्रांस के लोग उनके पीछे पड़ें उससे पहले वह साफ कर देना चाहते हैं कि वह केवल मजाक कर रहे हैं और उनका परिवार बस पेड़ों से बेहद प्यार करता है। अभिनेता के इस अंदाज को सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया जा रहा है और फैंस लगातार उनकी पोस्ट पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। ऋतिक और सबा के रिश्ते को लेकर चर्चा पहली बार साल 2022 में शुरू हुई थी, जब दोनों को एक साथ डिनर डेट पर देखा गया था। इसके बाद धीरे-धीरे दोनों ने सार्वजनिक रूप से अपने रिश्ते को स्वीकार करना शुरू कर दिया। सोशल मीडिया पोस्ट, पारिवारिक समारोहों और सार्वजनिक आयोजनों में दोनों अक्सर साथ दिखाई देते हैं। सबा अब रोशन परिवार के काफी करीब मानी जाती हैं और परिवार के कई खास मौकों पर उनकी मौजूदगी देखी जा चुकी है। कुछ समय पहले ऋतिक के भांजे की शादी के समारोह में भी सबा परिवार के साथ नजर आई थीं। वहीं, ऋतिक भी सबा के करियर और उनके विभिन्न प्रोजेक्ट्स को लगातार समर्थन देते दिखाई देते हैं। दोनों की बॉन्डिंग को फैंस काफी पसंद करते हैं। सबा से पहले ऋतिक रोशन की शादी इंटीरियर डिजाइनर सुजैन खान से हुई थी। दोनों ने साल 2000 में विवाह किया था, लेकिन 2013 में अलग होने का फैसला लिया। हालांकि तलाक के बाद भी दोनों के रिश्ते सौहार्दपूर्ण बने हुए हैं। वे अपने दोनों बेटों रेहान और रिदान की परवरिश मिलकर कर रहे हैं और अक्सर परिवार के तौर पर साथ नजर आते हैं। बता दें कि इन दिनों अपने परिवार के साथ फ्रांस में छुट्टियां मना रहे हैं। इस खास फैमिली ट्रिप में उनकी गर्लफ्रेंड सबा आजाद भी शामिल हुईं। अभिनेता इन दिनों अपने परिवार के साथ फ्रांस में छुट्टियां मना रहे हैं। इस खास फैमिली ट्रिप में उनकी गर्लफ्रेंड सबा आजाद भी शामिल हुईं।

न्यूज ब्रीफ

अश्विन ने डीआरएस के डेड बॉल नियम को बदलने की मांग की

चेन्नई। पूर्व क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन ने मुम्बई इंडियंस के खिलाफ आईपीएल मुकाबले में पंजाब किंग्स टीम की हार के बाद एक बार फिर निर्णय समीक्षा प्रणाली (डीआरएस) के डेड बॉल नियम पर सवाल उठाये हैं। अश्विन के अनुसार इसी नियम का नुकसान पंजाब को हुआ है। अश्विन के अनुसार इस नियम को तत्काल बदल दिया जाये। इस मैच में पंजाब की पारी के अंतिम ओवर में मुंबई के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने पारी की आखिरी गेंद विष्णु विनोद के पैड पर डाली, जिस पर मैदानी अंपायर ने उन्हें तुरंत आउट करार दे दिया। विनोद ने तत्काल रिव्यू लेने का फैसला किया, और टीवी अंपायर ने रीप्ले देखने के बाद मैदानी अंपायर के फैसले को पलट दिया, जिससे विनोद को नॉट आउट घोषित किया गया। हालांकि, अंपायर द्वारा आउट दिए जाने के बाद गेंद को डेड घोषित कर दिया गया था, जिसके चलते पंजाब किंग्स को लेग-बाय का एक भी रन नहीं दिया गया। अश्विन ने इसी डेड बॉल नियम की व्याख्या पर गंभीर सवाल उठाए हैं, जो उनके अनुसार टीम को अनावश्यक नुकसान पहुंचाता है।

इस बार फीफा विश्वकप जीतना चाहेंगे रोनाल्डो

लिस्बन। पुर्तगाल की फुटबॉल टीम के कप्तान और स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के नाम अब तक कई खिताब है पर वह आज तक फीफा विश्व कप नहीं जीत पाये हैं। ऐसे में अब 41 साल के हो रहे रोनाल्डो के पास विश्वकप जीतने का अंतिम अवसर है जिसका वह पूरा लाभ उठाना चाहेंगे। पांच बार के बैलन डीओर विजेता रहे रोनाल्डो ने अपने करियर में हर बड़ी ट्रॉफी जीती है पर विश्कप में अब तक वह सफल नहीं हुए है। इसलिए वह इस बार इसे हासिल करने का पूरा प्रयास करेंगे। विश्कप 11 जून से अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में खेला जाएगा। रोनाल्डो ने अब तक पुर्तगाल के लिए रिकॉर्ड 226 मैचों में 143 गोल किए हैं, जो अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में एक विश्व रिकॉर्ड है। यह आंकड़े उनकी अटूट प्रतिबद्धता और असाधारण कौशल को दिखाता है। इस साल की शुरुआत में उन्हें हैमस्ट्रिंग में खिंचाव का पर अगर वह पूरी तरह से फिट हो जाते हैं तो उनका विश्वकप खेलना तय है। यदि रोनाल्डो विश्व कप 2026 में खेलते हैं, तो वह लियोनेल मेसी के साथ छह विश्व कप खेलने वाले इतिहास के पहले पुरुष फुटबॉलर बन जाएंगे। रोनाल्डो ने पहले ही यह साफ कर दिया है कि यह उनके करियर का आखिरी विश्व कप होगा।

ईसीबी ने पहली बार पूर्व महिला क्रिकेटर को बनाया पुरुष टीम का कोच

लंदन। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने पहली बार एक महिला क्रिकेटर को पुरुष क्रिकेट टीम का कोच बनाया है। पूर्व विकेटकीपर सारा टेलर को न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी सीरीज के लिए इंग्लैंड की सीनियर पुरुष टेस्ट टीम का फील्डिंग कोच बनाया गया है। उन्हें कार्ल हॉपकिंसन की जगह कोच बनाया गया है। हॉपकिंसन अभी आईपीएल करार के कारण उपलब्ध नहीं हैं।ईसीबी के क्रिकेट निदेशक रॉब की सारा को कोच बनाने की घोषणा की। सारा की नियुक्ति क्रिकेट में लैंगिक समानता की दिशा में एक बड़ा और महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। सारा महिला क्रिकेट की शीर्ष खिलाडि ों में शामिल रही हैं। उन्होंने अपने शानदार करियर में सभी प्रारुपों में कुल मिलाकर 226 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। वह बेहतरीन विकेटकीपरों में से एक रही हैं। क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद से ही सारा ने कोचिंग का काम संभाला। उन्होंने पहले एंड्रयू फ्लिंटॉफ के नेतृत्व में इंग्लैंड लायंस (इंग्लैंड ए) टीम के साथ भी कोच के तौर पर काम किया है। इसमें उनके प्रदर्शन की काफी सराहना की गई। इसी को देखते हुए उन्हें सीनियर टीम के सहयोगी स्टाफ में शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने ससेक्स की पुरुष टीम और मैनचेस्टर ओरिजिनल्स के साथ भी फील्डिंग कोच के रुप में अहम भूमिकाएँ निभाई हैं। सारा को कोच बनाये जाने को लेकर ईसीबी के क्रिकेट निदेशक रॉब ने प्रशंसा करते हुए कहा, मुझे लगता है कि वह अपने काम में माहिर और सर्वश्रेष्ठ लोगों में से एक हैं।

लखनऊ ने बिगाड़ा चेन्नई के प्लेऑफ का गणित

मार्श की तूफानी पारी से 7 विकेट से रौंदा

लखनऊ ● एजेंसी

चेन्नई सुपर किंग्स के आईपीएल 2026 के प्लेऑफ खेलने की संभावना पर लखनऊ सुपर जायंट्स ने ग्रहण लगा दिया है. शुक्रवार को इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में लखनऊ ने चेन्नई को 7 विकेट से हरा दिया. इस हार के साथ ही सीएसके का पिछले 3 मैचों की लगातार जीत का क्रम टूट गया और प्लेऑफ की संभावना भी शायद बेहद कम हो गई है. चेन्नई से मिले 188 रन के लक्ष्य को लखनऊ ने 16.4 ओवर में 3 विकेट खोकर हासिल कर लिया. लखनऊ की तरफ से पारी की शुरुआत करने आए मिशेल मार्श ने मात्र 38 गेंदों पर 7 छक्कों और 9 चौकों की मदद से 90 रन की पारी खेल टीम को जीत दिलाने में बड़ी भूमिका निभाई. जोश इंग्लिश ने 32 गेंदों पर 36 और निकोलस पूरन ने 17 गेंदों पर नाबाद 32 रन बनाए. मुकुल चौधरी भी 10 गेंदों पर 13 रन बनाकर नाबाद रहे. इससे पहले टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई ने 5 विकेट के नुकसान पर 187 रन बनाए थे. चेन्नई के लिए कार्तिक शर्मा ने 42 गेंदों पर 5 छक्कों और 6 चौकों की मदद से 71 रन की पारी खेली थी. इसके अलावा शिवम दुबे ने 16 गेंदों पर 32 और डेवाल्ड ब्रेविस ने 16 गेंदों पर 25 रन की पारी खेली थी. लखनऊ के लिए आकाश महाराज सिंह ने 4 ओवर में 26 रन देकर 3 विकेट लिए थे.

विराट ने बढ़ती उम्र में भी अपनी श्रेष्ठता साबित की : सुनील गावस्कर

मुंबई ● एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने आईपीएल में आरसीबी की ओर से खेल रहे विराट कोहली की जमकर प्रशंसा की है। गावसकर ने कहा कि बढ़ती उम्र में भी अपने प्रदर्शन से विराट ने साबित किया है कि उम्र बस एक एक संख्या है और उनका जुनून कभी खत्म नहीं होता। गावस्कर ने कहा कि कि जिस प्रकार से विराट आईपीएल में तेजी से रन बना रहे हैं उससे एक बार फिर उन्होंने दिखाया है कि लक्ष्य का पीछा करने में उनसे बेहतर कोई नहीं है। विराट ने जिस प्रकार से आईपीएल में अपना नौवां शतक लगाया है उससे पता चलता कि युवाओं के बीच भी उनका नंबर एक स्थान बना हुआ है। विराट ने कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मैच में शतकीय पारी खेलने के अलावा जिस प्रकार से टी20 क्रिकेट में सबसे तेज 14,000 रन पूरे करने का रिकॉर्ड बनाया है। वह भी दिखाता है कि 37 साल की उम्र में भी उनकी रनों की भूख और क्रिकेट के प्रति समर्पण पहले जैसा ही है। गावस्कर ने कहा, केकेआर के खिलाफ मैच में विराट ने युवाओं को दिखाया कि लक्ष्य का पीछा करते समय पारी का निर्माण कैसे किया जाता है। गावस्कर ने आगे कहा कि जब हर कोई इस सत्र में नई पीढ़ी के बारे में बात कर रहा था, तब कोहली ने अपनी पारी से दिखा दिया कि वह अभी भी मैदान पर मौजूद हैं और उनकी चमक बरकरार है। उन्होंने उन सभी आलोचकों को भी करारा जवाब दिया है जो उनपर संदेह कर रहे थे। गावस्कर के अनुसार, रिकॉर्ड तो टूटने के लिए बनते हैं पर विराट जिस तरह से लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं, मैच दर मैच, सत्र दर सत्र, उसकी बराबरी करने में किसी को भी बहुत लंबा वक्त लगेगा। उन्होंने यह भी कहा कि भले ही युवा सितारे अपने को साबित कर रहे हों पर अनुभवी विराट ने अभी तक अपनी जगह बरकरार रखी है। कोहली ने साबित किया कि पुरानी पीढ़ी अब भी सर्वश्रेष्ठ है।

फिल सॉल्ट शीघ्र कर सकते हैं वापसी : रजत पाटीदार

मुंबई ● एजेंसी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार ने कहा है कि टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट शीघ्र ही टीम में वापसी कर सकते हैं। सॉल्ट करीब एक महीने से उंगली की चोट के कारण टीम से बाहर हैं। पाटीदार के अनुसार साल्ट अब पहले से काफी बेहतर हैं और उनके शीघ्र ही टीम से जुड़ने की संभावना है। सॉल्ट ने आखिरी बार 18 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबला खेला था। इसके बाद उनकी उंगली में चोट लग गई थी, जिसके चलते उन्हें स्कैन और रिकवरी के लिए इंग्लैंड लौटना पड़ा था। साल्ट के बाहर होने से टीम संयोजन प्रभावित हुआ है। सॉल्ट का टीम में होना आरसीबी के लिए इसलिए भी अहम है क्योंकि वह प्लेऑफ में जगह बनाने के करीब है। पिछली कुछ टी20 पारियों में संघर्ष के बाद, सॉल्ट ने आईपीएल के इस सत्र में जबरदस्त वापसी की थी। उन्होंने सत्र में 202 रन बनाए हैं, जिसमें उनका औसत 33.66 और स्ट्राइक रेट 168.33 का रहा है। मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ उन्होंने दो शानदार अर्धशतकीय पारियां भी खेली थीं, जिससे टीम को अच्छी शुरुआत मिली थी। सॉल्ट की गैरमौजूदगी में युवा जैकब बेथेल को पारी की शुरुआत की जिम्मेदारी मिली पर वह सफल नहीं रहे। बेथेल छह मैचों में केवल 85 रन बना पाये। उनका औसत 14.16 और स्ट्राइक रेट 121.42 का रहा है, जो टीम के लिए चिंता का विषय रहा है। अब यदि फिल सॉल्ट 17 मई को धर्मशाला में पंजाब किंग्स के खिलाफ होने वाले मुकाबले तक पूरी तरह फिट नहीं हो पाते हैं, तो टीम इंग्लैंड के एक और बल्लेबाज जॉर्डन कॉक्स को उतार सकती है।

इसके अलावा, टीम वेंकटेश अय्यर को पारी की शुरुआत का अवसर दे सकती है क्योंकि वह पहले कोलकाता नाइट राइडर्स सलामी बल्लेबाज रहे हैं। एक और संभावना यह है कि देवदत्त पडिक्कल को विराट कोहली के साथ ओपनिंग पर भेजा जाए और नंबर-3 पर वेंकटेश अय्यर या रजत पाटीदार को बल्लेबाजी के लिए उतारा जाए। हालांकि, सॉल्ट की आरसीबी के लिए सबसे पसंदीदा विकल्प होगा, जो टीम को प्लेऑफ की दौड़ में मजबूती देगा।

आईपीएल सत्र के बाद जा सकती है ऋषभ सहित इन तीन खिलाड़ियों की कप्तानी

मुंबई ● एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में खराब प्रदर्शन के करण तीन टीमों के कप्तानों की कुर्सी खतरे में नजर आ रही है। ये तीनो ही लगातार दो सत्र में कप्तानी करने के बाद भी असफल रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार ये तीन कप्तान है। लखनऊ सुपर जायंट्स के ऋषभ पंत, कोलकाता नाइट राइडर्स के अजिंक्य रहाणे और दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल।

ऋषभ पंत : लखनऊ सुपर जायंट्स टीम सबसे पहले टूर्नामेंट से बाहर हो गयी है। टीम के कप्तान ऋषभ और उनकी टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। ऋषभ न तो रन बना पाये और न ही अपनी टीम को प्रेरित कर पाये। टीम केवल तीन मैच जीत पायी और प्लेऑफ से बाहर हो गयी। ऋषभ ने अलग-अलग क्रम पर बल्लेबाजी करने की कोशिश की, लेकिन वह दबाव में दिखे। उन्होंने 138 के स्ट्राइक-रेट से केवल 251 रन बनाए और 11 मैचों में सिर्फ नौ छक्के लगाए, जो आधुनिक टी20 मानकों से काफी नीचे है। उनके बल्ले की लय गायब दिखी और टीम संयोजन के कुछ फैसलों ने भी प्रशंसकों को हैरान कर दिया।

अक्षर पटेल : वहीं दिल्ली कैपिल्स के कप्तान अक्षर पटेल भी कप्तान और खिलाड़ी दोनों के तौर पर प्रभावित नहीं कर पाये और 9 पारियों में 112.50 के स्ट्राइक-रेट से केवल 100 रन ही बना पाये हैं। बनाए, जिसमें से 56 रन एक ही पारी में आए और बाकी 44 रन आठ पारियों में बने, जबकि उन्होंने ज्यादातर मैचों में शीर्ष पांच में बल्लेबाजी की। गेंदबाजी में भी उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा, 12 मैचों में 36 ओवर में 8.05 की इकोनॉमी से केवल 10 विकेट ही ले पाये। उनके कई फैसलों पर भी सवाल उठे।

अजिंक्य रहाणे : कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान अजिंक्य रहाणे भी टीम को प्रेरित करने में विफल रहे। वह टीम के लिए सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरे पर उसे एक भी मैच में तेज शुरुआत नहीं दिला पाये न ही अपने साथी अंगकृष रघुवंशी को तेज खेलने के लिए उत्साहित कर पाये। रहाणे और अंगकृष की धीमी शुरुआत के कारण टीम दबाव में रही। रघुवंशी ने 139 से अधिक के स्ट्राइक-रेट से 340 रन बनाए, जबकि कप्तान रहाणे ने 133 के स्ट्राइक-रेट से 237 रन बनाए। दोनों ने शीर्ष तीन में बल्लेबाजी की, जिससे लगभग हर मैच में शुरुआती गति धीमी रही। इन दोनों ने 11 मैचों में मिलकर सिर्फ 25 छक्के लगाए, जो किसी भी टी20 टीम के लिए चिंताजनक है।

बॉटम

शाम 7 : 30 पर खेला जाएगा मैच

आईपीएल में आज होगा केकेआर और टाइटंस में मुकाबला

कोलकाता ● एजेंसी

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में गुजरात टाइटंस का मुकाबला करेगी। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के इरादे से उतरेंगी। जहां केकेआर का लक्ष्य इस मैच को बड़े अंतर से जीतकर प्लेऑफ के लिए अपनी हल्की सी उम्मीदें बनाये रखना रहेगा। वहीं गुजरात टाइटंस इस मैच को जीतकर प्लेऑफ में जगह बनाना चाहेगी। इस सत्र में अब तक के प्रदर्शन को देखते हुए गुजरात टाइटंस जीत की प्रबल दावेदार नजर आती है। इस सत्र में जब पिछली बार इन दोनों टीमों में मुकाबला हुआ था तब गुजरात टाइटंस ने केकेआर को 5 विकेट से मात दी थी। ऐसे में अब केकेआर हिसाब बराबर करना चाहेगी। ०आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो ही टीमों के बीच 6 मुकाबले हुए हैं जिसमें से केकेआर ने 1 जबकि गुजरात ने 4 जीते हैं, वहीं एक मैच का परिणाम नहीं आया है। इस मैच में केकेआर को अगर जीतना है तो उसे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। केकेआर की बल्लेबाजी कप्तान आजिंक्य रहाणे के अलावा अंगकृष रघुवंशी, कैमरून ग्रीन और रिंकू सिंह पर आधारित रहेगी। वहीं गेंदबाजी कार्तिक त्यागी, वैभव अरोड़ा के अलावा रहस्यमी स्पिनर सुनील नरेन पर आधारित रहेगी दूसरी ओर इस सत्र में शुभमन गिल की कप्तानी में शानदार प्रदर्शन कर रही गुजरात की बल्लेबाजी शुभमन के अलावा साई सुदर्शन और राहुल तेवतिया पर आधारित रहेगी। टीम की गेंदबाजी की कमान कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज के अलावा स्पिनर राशिद खान संभालेंगे।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

केकेआर : अजिंक्य रहाणे (कप्तान), फिल एलन, अंगकृष रघुवंशी (विकेटकीपर), कैमरुन ग्रीन, मनीष पांडे, रिंकू सिंह, रोवमैन पॉवेल, सुनील नारायण, अनुकूल रॉय, वैभव अरोड़ा, कार्तिक त्यागी। इम्पैक्ट प्लेयर: सौरभ दुबे।

गुजरात टाइटंस : शुभमन गिल (कप्तान), साईं सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), निशांत सिंधु, वाशिंगटन सुंदर, जेसन होल्डर, राहुल तेवतिया, राशिद खान, अरशद खान, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज। इम्पैक्ट प्लेयर: प्रसिद्ध कृष्णा।

न्यूज ब्रीफ

कल्याण बनर्जी को चीफ व्हिप बनाने से टीएमसी में मचा घमासान

ज्यादातर महिला सांसद नाराज, पार्टी में मंडराने लगा टूट का खतरा
कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद टीएमसी के अंदर घमासान मचा हुआ है। टीएमसी के लोकसभा सांसदों का एक धड़ा पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी से ही नाराज है। इसकी वजह है कि ममता ने लोकसभा में पार्टी को मुख्य सचेतक के रुप में काकोली घोष दस्तीदार की जगह कल्याण बनर्जी की नियुक्ति की है। इसके बाद से हंगामा मचा है। कई महिला सांसद बागी नजर आ रही हैं। इसके बाद से पार्टी में टूट का खतरा मंडराने लगा है।0 मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक टीएमसी सांसद इस नियुक्ति पर अपनी चिंता जाहिर कर सकते हैं। ऐसा इसलिए कि कल्याण बनर्जी पर महिला सांसदों के साथ बदसलूकी करने के आरोप लगते रहे हैं। बागावत करने वाले सांसदों में महिलाओं की संख्या ज्यादा है। बता दें कि लोकसभा में टीएमसी के 28 सांसद हैं। इनमें से 11 महिलाएं हैं। पिछले साल सांसद महुआ मोइत्रा के साथ सार्वजनिक तौर पर हुई कहासुनी के बाद उन्हें लोकसभा के मुख्य सचेतक के पद से हटा दिया था।

राहुल गांधी का आरोप, मोदी सरकार की गलती की कीमत जनता चुकाएगी

खरगे ने कहा, ये संकट केंद्र सरकार की ओर से लाया गया
नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष (एलओपी) राहुल गांधी ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी पर केंद्र सरकार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की गलती की कीमत जनता चुकाएगी। राहुल गांधी ने भविष्य में भी तेल कीमतों में इजाफा होने की आशंका जाहिर की है। राहुल गांधी ने पोस्ट किया, गलती सरकार की, कीमत जनता चुकाएगी। 3 रुपए का झटका आ चुका, बाकी वसूली किस्तों में होगी। वहीं, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि देश की जनता को ये समझना होगा कि वर्तमान समय में वैश्विक ईंधन संकट के साथ-साथ भारत में आर्थिक संकट की बड़ी वजह केंद्र सरकार में नेतृत्व संकट, दूरदर्शी सोच का अभाव है और अक्षमता कूट-कूट कर भरी है। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा, ये संकट केंद्र सरकार की ओर से लाया गया संकट है, जिसका खामियाजा देश की जनता को पेट्रोल, डीजल और एलपीजी पर अपनी जेब से भरना पड़ रहा है।

ब्रिक्स बैठक : भारत में भिड़े ईरान और यूएई, रूस को करना पड़ा बीच-बचाव

नई दिल्ली। राजधानी में आयोजित ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान ईरान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच भारी कूटनीतिक तनाव देखा गया। मध्य पूर्व में हाल ही में हुए 40 दिवसीय युद्ध को लेकर दोनों देशों के प्रतिनिधियों के बीच तीखी बहस हुई, जिसके बाद रुस को हस्तक्षेप करना पड़ा। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने यूएई पर आरोप लगाया कि उसने ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजरायल को अपने सैन्य ठिकाने, हवाई क्षेत्र और खुफिया जानकारी उपलब्ध कराई। ईरान का तर्क है कि उसने यूएई पर नहीं, बल्कि वहां स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर आत्मरक्षा में हमला किया था। दूसरी ओर, यूएई ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि ईरान ने उनके ऊर्जा ठिकानों और बुनियादी ढांचे पर सीधे हमले किए हैं। तनाव तब और बढ़ गया जब इजरायली पीएम और यूएई के राष्ट्रपति के बीच कथित गुप्त बैठक की खबरें आईं, हालांकि यूएई ने इसे सिरे से नकार दिया। बैठक में स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि रुसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव को बीच-बचाव कर मामला शांत कराना पड़ा। इस गतिरोध के कारण ब्रिक्स समूह पश्चिम एशिया संकट पर कोई सर्वसम्मत साझा बयान जारी करने में विफल रहा। मेजबान देश के रुप में भारत ने कूटनीति और शांति पर जोर दिया।

यात्रा का उद्देश्य उथल-पुथल के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना

पीएम मोदी पांच देशों की यात्रा पर रवाना

नई दिल्ली ● एजेंसी

पीएम मोदी शुक्रवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली की छह दिवसीय यात्रा पर रवाना हुए। इस यात्रा का उद्देश्य मौजूदा भू-राजनीतिक उथल-पुथल के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना है। ऊर्जा प्रवाह की सुरक्षा सुनिश्चित करना, पश्चिम एशिया संकट से उत्पन्न व्यापार व्यवधानों को कम करना और अहम प्रौद्योगिकियों में सहयोग बढ़ाना है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया पर बताया कि अगले छह दिनों में पीएम मोदी भारत की वैश्विक साझेदारियों को मजबूत करने के उद्देश्य से कई विविध विषयों पर विश्व के कई नेताओं से बातचीत करेंगे। प्रधानमंत्री पहले यूएई जाएंगे जहां वह राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ भारत-यूएई व्यापक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने और पश्चिम एशिया संघर्ष पर विचारों का आदान-प्रदान करने पर केंद्रित व्यापक वार्ता करेंगे। पीएम मोदी यूरोप यात्रा पर रवाना होने से पहले खाड़ी देश में करीब चार घंटे बिताएंगे। पीएम मोदी-अल नाहयान के बीच हुई वार्ता के बाद, भारत और यूएई के बीच दो अहम समझौतों को अंतिम रूप देने की उम्मीद है। इन समझौतों का एलपीजी और रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार के क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ाना है। पीएम मोदी और राष्ट्रपति अल नाहयान के बीच द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंधों को बढ़ावा देने पर भी विचार-विमर्श कर सकते हैं। अधिकारियों ने बताया कि यूएई भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और पिछले 25 सालों में कुल निवेश का सातवां सबसे बड़ा स्रोत है। यूएई में 45 लाख से ज्यादा भारतीय रहते हैं इसलिए पीएम मोदी की यह यात्रा भारतीय समुदाय के कल्याण पर चर्चा करने का भी एक अवसर होगा। यात्रा के दूसरे चरण में पीएम मोदी 15 से 17 मई तक नीदरलैंड

जाएंगे। यह 2017 के बाद नीदरलैंड की उनकी दूसरी यात्रा होगी। इस दौरान वह राजा विलेम-अलेक्जेंडर और रानी मैक्सिमा से मुलाकात करेंगे। साथ ही पीएम रॉब जेटेन के साथ बातचीत करेंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा कि पीएम मोदी की यात्रा बहुआयामी साझेदारी को और प्रगाढ़ बनाने का अवसर प्रदान करेगी। मोदी की यह यात्रा रक्षा, सुरक्षा, नवाचार, हरित हाइड्रोजन, सेमीकंडक्टर और जल पर रणनीतिक साझेदारी सहित विभिन्न क्षेत्रों में उच्च स्तरीय बैठकों और घनिष्ठ सहयोग की गति को और आगे बढ़ाएगी। पीएम मोदी नीदरलैंड के बाद स्वीडन जाएंगे। पीएम मोदी ने इससे पहले 2018 में पहले भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन के लिए स्वीडन की यात्रा की थी। विदेश मंत्रालय के मुताबिक पीएम मोदी पीएम क्रिस्टर्सन के साथ बातचीत करेंगे। इसमें द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की जाएगी और आपसी व्यापार को बढ़ाने के लिए सहयोग के नए रास्ते तलाशे जाएंगे। विदेश मंत्रालय के मुताबिक बातचीत में दोनों पक्ष हरित ऊर्जा बदलाव, कृत्रिम मेधा, उभरती प्रौद्योगिकियों, स्टार्टअप, मजबूत आपूर्ति श्रृंखलाओं, रक्षा, अंतरिक्ष, जलवायु परिवर्तन संबंधी उपाय और लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करने पर ध्यान देंगे। अपनी यात्रा के चौथे चरण में मोदी 18 से 19 मई तक नॉर्वे की यात्रा करेंगे। वहां वह तीसरे भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे और शीर्ष नेतृत्व के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। यह पीएम मोदी की नॉर्वे की पहली यात्रा होगी। यह 43 सालों में किसी भारतीय पीएम की पहली यात्रा होगी। पीएम मोदी नॉर्वे के राजा हेराल्ड पंचम और रानी सोन्जा से मुलाकात करेंगे और पीएम जोनास गहर स्टोर के साथ द्विपक्षीय बातचीत करेंगे। विदेश मंत्रालय ने बताया कि मोदी नॉर्वे के प्रधानमंत्री के साथ भारत-नॉर्वे व्यापार और अनुसंधान शिखर सम्मेलन को भी संबोधित करेंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह यात्रा भारत-नॉर्वे संबंधों में हुई प्रगति की समीक्षा करने और व्यापार एवं निवेश पर ध्यान देने का अवसर है। तीसरा भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन 19 मई को ओस्लो में होगा, जिसमें मोदी और नॉर्वे, डेनमार्क, फिनलैंड, आइसलैंड और स्वीडन के उनके समकक्ष शामिल होंगे। यह शिखर सम्मेलन अप्रैल 2018 में स्टॉकहोम और मई 2022 में कोपेनहेगन में आयोजित पिछले दो शिखर सम्मेलनों पर आधारित होगा और इससे नॉर्डिक देशों के साथ भारत के संबंधों को अधिक रणनीतिक आयाम मिलने की उम्मीद है। अपनी यात्रा के अंतिम चरण में, प्रधानमंत्री मोदी इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के निमंत्रण पर 19 से 20 मई तक इटली की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे मोदी ने आखिरी बार जून 2024 में जी7 शिखर सम्मेलन के लिए इटली की यात्रा की थी। इस यात्रा के दौरान पीएम मोदी राष्ट्रपति सर्जियो मैटारेला से मुलाकात करेंगे और पीएम मेलोनी के साथ बातचीत करेंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह यात्रा द्विपक्षीय संबंधों को मजबूती प्रदान करने के लिए हो रही है।

ओमान की खाड़ी में पोत पर हुए हमले पर भारत ने कहा- यह अस्वीकार्य

28 घंटे में भारत आ रहे एलपीजी के दो टैंकरों ने होर्मुज किया पार

नई दिल्ली ● एजेंसी

भारत ने ओमान की खाड़ी में अपने एक पोत पर हुए हमले की आलोचना की है। यह पोत बुधवार को हमले के बाद डूब गया था। भारत ने इसे अस्वीकार्य बताया है। इधर ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की दो-दिवसीय बैठक के लिए ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची की मेजबानी कर रहा था, उसी दौरान बीते 28 घंटे में भारत आ रहे एलपीजी के दो टैंकरों ने होर्मुज स्ट्रेट पार कर लिया। हालांकि, बुधवार को ओमान के तट के पास भारत के झंडे वाले एक पोत पर हमला किया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने सोमालिया से संयुक्त अरब अमीरात के शारजाह की यात्रा पर निकले एक भारतीय पोत हाजी अली पर हुए हमले को 'अस्वीकार्य बताया। विदेश मंत्रालय ने वाणिज्यिक जहाजों और असैन्य नाविकों को लगातार निशाना बनाए जाने की घटना को लेकर चिंता जताई। मंत्रालय ने कहा कि भारत इस बात को दोहराता है कि वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाने और निर्दोष असैन्य चालक दल के

सदस्यों को खतरे में डालने या नौवहन एवं वाणिज्य की स्वतंत्रता में बाधा डालने से बचा जाना चाहिए। भारत ने ओमान के अधिकारियों को बचाव कार्य के लिए धन्यवाद दिया। इस जहाज पर बुधवार तड़के ओमान के जल क्षेत्र में हमला हुआ, जिससे लकड़ी के पोत में आग लग गई और वह बाद में डूब गया। भारतीय अधिकारियों ने बताया कि हाजी अली पर सवार सभी 14 चालक दल के सदस्यों को ओमान तटरक्षक बल ने सुरक्षित बचा लिया और वे ओमान के दिब्बा बंदरगाह पहुंच गए हैं, जिन्हें जल्द ही भारत वापस लाया जाएगा। वहीं होर्मुज स्ट्रेट को पार कर भारत की ओर आ रहे दो जहाजों में एलपीजी टैंकर 'सिमी शामिल है जो 13 मई को वहां से गुजरा जबकि एनवी सनशाइन ने भी जलमार्ग को सुरक्षित पार कर लिया। भारतीय अधिकारियों ने बताया कि 19,965 टन एलपीजी ला रहा मार्शल आइलैंड्स के ध्वज वाला जहाज सिमी 16 मई को गुजरात के कांडला पहुंच सकता है। इसी तरह 46,427 टन एलपीजी कार्गो लेकर आ रहे वियतनामी जहाज एनवी सनशाइन के 18 मई को न्यू मंगलूर पहुंचने की उम्मीद है। दोनों जहाजों पर इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन का कार्गो लदा है। ईरान के विदेश मंत्री अरागची बुधवार शाम भारत पहुंचे थे और ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लिया। उन्होंने अन्य ब्रिक्स सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों के साथ पीएम मोदी से भी मुलाकात की। अरागची ने ब्रिक्स देशों से ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजराइल के सैन्य अभियान की निंदा करने का आग्रह किया और संयुक्त बयान पर आम सहमति बनाने के लिए भारत से समर्थन मांगा।

वे धुंए की लकीर पकड़ते रह गए इधर भारत ने कर दिया कमाल

भुवनेश्वर। 8 मई की शाम जब दुनिया अपनी सामान्य गति से चल रही थी, भारत के पूर्वी तट पर कुछ ऐसा हुआ जिसने वैश्विक रक्षा गलियारों में हलचल पैदा कर दी। ओडिशा के डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से एक रहस्यमयी मिसाइल ने अंधेरे आसमान को चीरते हुए उड़ान भरी। इसकी रोशनी और रफ्तार इतनी प्रचंड थी कि ओडिशा और पश्चिम बंगाल ही नहीं, बल्कि पड़ोसी देश बांग्लादेश तक के आसमान में धुएं की लकीरें और आग की लपटें देखी गईं। देखते ही देखते इसके वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए और चर्चा छिड़ गई कि क्या भारत ने कोई ऐसा गुप्त हथियार विकसित कर लिया है जिसकी जानकारी अभी दुनिया को नहीं है? इस परीक्षण को लेकर रहस्य गहराने का सबसे बड़ा कारण भारत सरकार की प्रारंभिक चुप्पी और जारी किया गया नोटाम था। आमतौर पर जब भी मिसाइल परीक्षण होते हैं, तो हवाई सुरक्षा के लिए 1500 से 2000 किलोमीटर तक के दायरे का नोटम जारी किया जाता है।

यूएई पहुंचे पीएम मोदी का हुआ जबरदस्त स्वागत

अबूधाबी ● एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को अपने पांच देशों के दौरे के पहले चरण में संयुक्त अरब अमीरात पहुंचकर भारत-यूएई संबंधों को नई मजबूती दी। अबू धाबी पहुंचने पर यूएई के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने उनका भव्य स्वागत किया। यूएई वायुसेना के एफ-16 लड़ाकू विमानों ने प्रधानमंत्री मोदी के विमान को एस्कॉर्ट किया, जिसे प्रधानमंत्री ने भारत के लिए सम्मान बताया। इस दौरे के दौरान दोनों नेताओं के बीच हुई प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता में रक्षा, ऊर्जा, निवेश और समुद्री सुरक्षा जैसे कई अहम मुद्दों पर सहमति बनी। भारत और यूएई ने रणनीतिक रक्षा साझेदारी को मजबूत करने के लिए एक नए फ्रेमवर्क पर सहमति जताई। इसके अलावा रणनीतिक पेट्रोलियम रिजर्व स्थापित करने तथा भारत को लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। गुजरात के वाडिनार में जहाजों की मरम्मत के लिए एक विशेष क्लस्टर विकसित करने पर भी सहमति बनी है। माना जा रहा है कि इन समझौतों से भारत की ऊर्जा सुरक्षा और समुद्री ढांचे को नई मजबूती मिलेगी।

5 अरब डॉलर निवेश का ऐलानः यूएई की ओर से भारतीय बुनियादी ढांचे, आरबीएल बैंक और सम्मान कैपिटल में कुल 5 अरब अमेरिकी डॉलर निवेश की घोषणा की गई। यह निवेश भारत के वित्तीय और इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में पूंजी प्रवाह बढ़ाने के लिहाज से अहम माना जा रहा है। भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (एफआईईओ) ने भी इस दौरे को भारत-यूएई व्यापारिक संबंधों के लिए महत्वपूर्ण बताया है।

पश्चिम एशिया में शांति पर भारत का जोरः प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम एशिया में जारी तनाव और यूएई पर हुए हमलों की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि भारत हर परिस्थिति में संयुक्त अरब अमीरात के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहेगा। उन्होंने कहा कि 'यूएई को जिस तरह निशाना बनाया गया, वह पूरी तरह अस्वीकार्य है। कठिन परिस्थितियों में आपने जो संयम और साहस दिखाया है, वह प्रशंसनीय है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत हमेशा समस्याओं के समाधान के लिए संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता देता है। उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य को स्वतंत्र, खुला और सुरक्षित बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानूनों का पालन अनिवार्य है।

अब भारत नहीं आएगा रूसी तेल, पेट्रोल-डीजल की हो सकती है भारी किल्लत!

नई दिल्ली ● एजेंसी

रूसी कच्चे तेल के आयात पर अमेरिका द्वारा दी गई विशेष छूट की समय सीमा 16 मई की रात 12:01 बजे समाप्त हो रही है। स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज में पिछले 75 दिनों से जारी व्यवधान और वैश्विक तेल आपूर्ति पर बढ़ते दबाव के बीच, भारत ने एक बार फिर अमेरिका से इस छूट की अवधि को आगे बढ़ाने का आग्रह किया है। मार्च में शुरू हुई इस विशेष व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य अतिरिक्त कच्चे तेल की आपूर्ति सुनिश्चित कर वैश्विक बाजारों को स्थिर करना था। वर्तमान में रूसी तेल पर पूर्ण प्रतिबंध नहीं है, लेकिन वॉशिंगटन लगातार भारत पर दबाव बना रहा है कि वह यूक्रेन युद्ध के चलते मॉस्को से की जा रही रियायती खरीदारी को कम करे। 28 फरवरी से मध्य पूर्व में शुरू हुए संकट के कारण भारतीय अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि देश की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। भारत ने चेतावनी दी है कि तेल बाजारों में अस्थिरता के गंभीर आर्थिक परिणाम हो सकते हैं। छूट की समय सीमा खत्म होने के डर से भारतीय रिफाइनरी कंपनियों ने खरीदारी तेज कर दी है। आंकड़ों के अनुसार, मई में रूस से कच्चे तेल का आयात रिकॉर्ड 23 लाख बैरल प्रति दिन तक पहुंच गया है। हालांकि, भारत ने उन रूसी एलएनजी कार्गो को लेने से इनकार कर दिया है जो सीधे अमेरिकी प्रतिबंधों के दायरे में आते हैं, जिसके कारण कम से कम एक शिपमेंट फिलहाल सिंगापुर के पास अटका हुआ है।

ईंधन की कोई कमी नहीं हैः हरदीप पुरीः आपूर्ति को लेकर उठ रहे सवालों के बीच केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने देशवासियों को आश्वस्त किया है कि ईंधन की कोई कमी नहीं है। सरकार के अनुसार, भारत के पास वर्तमान में 69 दिनों का एलएनजी और 45 दिनों का एलपीजी स्टॉक उपलब्ध है। तनावपूर्ण स्थितियों को देखते हुए एलपीजी का दैनिक उत्पादन भी 36,000 टन से बढ़ाकर 54,000 टन कर दिया गया है। ऊर्जा सुरक्षा पर चर्चा के लिए रूसी उप ऊर्जा मंत्री और भारतीय पेट्रोलियम मंत्री के बीच जून में फिर से वार्ता होने की संभावना है। फिलहाल, सरकार अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर पैनी नजर रखते हुए घरेलू आपूर्ति को सुरक्षित बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

बॉटम

देश में नहीं होगी गैस की कमी, 40000 करोड़ की परियोजना तैयार

ओमान से समुद्र के रास्ते एलपीजी गैस पाइपलाइन बिछाने जा रहा भारत

नई दिल्ली ● एजेंसी

होर्मुज स्ट्रेट से तेल और गैस की सप्लाई बाधित होने के बाद भारत अब एक महाप्रोजेक्ट पर काम कर रहा है। तकरीबन 40000 करोड़ की इस परियोजना के सफल रहने पर आने वाले कई दशकों तक भारत में गैस की कमी नहीं होगी। बता दें पश्चिम एशिया में तनाव के चलते एशिया से लेकर यूरोप तक में एनर्जी सप्लाई चेन बुरी तरह प्रभावित हुई है। इससे भारत पर भी असर पड़ा है। भारत एक एनर्जी डिपेंडेंट कंट्री है। तेल और गैस का ज्यादा हिस्सा खाड़ी के देशों से आयात किया जाता है। ऐसे में ईरान युद्ध की वजह से वेस्ट एशिया में मचे उथल-पुथल का असर भारत पर भी पड़ रहा है।

दरअसल, भारत सरकार खाड़ी क्षेत्र से निर्बाध गैस आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए ओमान से सीधे गहरे समुद्र के रास्ते गैस पाइपलाइन बिछाने की योजना को तेजी से आगे बढ़ा रही है। होर्मुज संकट के बाद ऊर्जा सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए केंद्र सरकार इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर गंभीरता से काम कर रही है। अनुमानित 40 हजार करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना को मंजूरी मिलने पर इसे पूरा होने में पांच से सात साल लग सकते हैं।

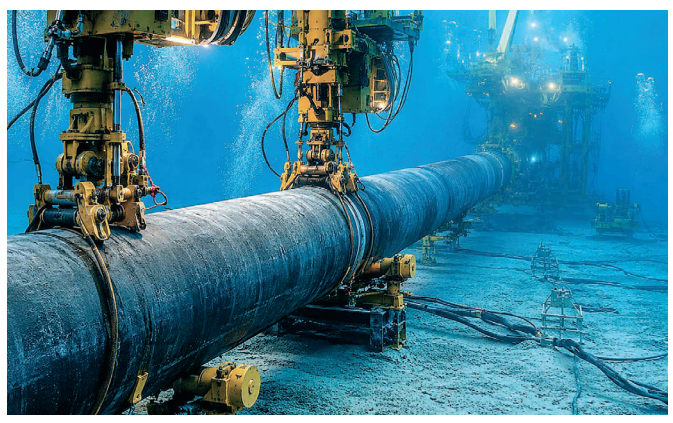

रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों का कहना है कि भारत अब एलएनजी के स्पॉट बाजारों पर अत्यधिक निर्भरता से बाहर निकलना चाहता है। भारत में प्राकृतिक गैस की मांग लगातार बढ़ रही है. ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने और एनर्जी-मिक्स में गैस की हिस्सेदारी बढ़ाने के प्रयासों के बीच वर्तमान खपत करीब 190-195 मिलियन स्टैंडर्ड क्यूबिक मीटर प्रतिदिन है, जो 2030 तक बढ़कर करीब 290-300 तक पहुंचने का अनुमान है। इसी अवधि तक एलएनजी आयात 180-200 मिलियन स्टैंडर्ड क्यूबिक मीटर प्रतिदिन तक पहुंच सकता है। प्रोजेक्ट रूट इस तरह तैयार किया जाएगा कि यह ओमान और यूएई के रास्ते अरब सागर से होकर गुजरे और भू-राजनीतिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों से बचा जा सके। इस पाइपलाइन के जरिए भारत को ओमान, यूएई, सऊदी अरब, ईरान, तुर्कमेनिस्तान और कतर जैसे देशों के विशाल गैस भंडार तक पहुंच मिल सकेगी। इन देशों के पास संयुक्त रूप से करीब 2,500 ट्रिलियन क्यूबिक फीट गैस भंडार मौजूद हैं। बताया जा रहा है कि पाइपलाइन समुद्र की सतह से करीब 3,450 मीटर की गहराई तक बिछाई जा सकती है, जिससे यह दुनिया की सबसे गहरी समुद्री पाइपलाइन परियोजनाओं में शामिल हो सकती है। इस परियोजना को आगे बढ़ाने के पीछे हालिया होर्मुज संकट एक बड़ा कारण माना जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में गैस कीमतों में भारी उछाल देखने को मिला है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक- नितिन श्रीवास द्वारा पंकज प्रीटर्स एंड पेकिंजिंग, ए-16, एल्फा पार्क, सांवेर रोड,एल्फा इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित 1054-एल, यूनियन बैंक, स्कीम नं. 114 इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- नितिन श्रीवास, आर.एन.आई. नम्बर - एमपीएचआईएन/20ए3002 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)